MUMBAI TARANG ™

www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

“अगर आप अपने जीवन को बेहतर बनाने चाहते है तो लोगो के मन की नहीं अपने मन की सुनो।”

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल   उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-24 ❖ मुंबई ❖ रविवार 06 से 12 जून 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
ठाणे में बड़े सैक्स रैकेट का भंडाफोड़

पेज 5
सुप्रीम कोर्ट की बिहार सरकार को फटकार, कहा- फायरिंग में मारे गए युवक के पिता को जल्द मिलें 10 लाख का मुआवजा

पेज 7
रेप केस में एक्टर पर्ल वी पुरी को मिली जमानत, 'नागिन 3' फेम करिश्मा तन्ना ने दी जानकारी

पेज 8
कोरोना का फर्जी इलाज करने वाले अस्पताल पर FIR

महाराष्ट्र का नया अनलॉक प्लान

जानिए कहां खुलेगा सब कुछ और कहां रहेगा प्रतिबंध!

मुंबई, देशभर में अलग-अलग राज्यों में कोरोना के मामले कम होने के बाद अनलॉक की प्रक्रिया को शुरू किया गया है। उसी कड़ी में महाराष्ट्र सरकार ने भी राज्य के लिए अनलॉक प्लान तैयार किया है। इस प्लान के तहत राज्य के कुछ शहरों में सब कुछ करने की तरह शुरू किया जाएगा जबकि कुछ शहरों में अभी भी प्रतिबंध लागू रहेंगे। तो आइए जानते हैं महाराष्ट्र सरकार का नया अनलॉक प्लान क्या है? किन जगहों को मिली है छूट और कहां लागू रहेंगे प्रतिबंध। कुछ दिन पहले महाराष्ट्र के आपदा प्रबंधन प्रबंधन मंत्री विजय वडेट्टीवार ने मीडिया के समक्ष सरकार का एक प्लान रखा था यह प्लान काफी हद तक वैसा ही है। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को अनलॉक करने के लिए सभी शहरों को अलग-अलग लेवल में विभाजित किया है। इन शहरों में कोरोना मरीजों की संख्या, अस्पतालों में बेड की संख्या, ऑक्सीजन बेड, वेंटिलेटर और अस्पताल में भर्ती कोरोना मरीजों की संख्या के आधार पर वर्गीकरण किया गया है। राज्य को अनलॉक करने के लिए बनाए गए लेवल इस प्रकार हैं।

100% क्षमता से सरकारी कार्यालय खुलेंगे

सरकारी कार्यालय शत प्रतिशत क्षमता के साथ खुलेंगे,स्पोर्ट्स, शूटिंग,सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को इजाजत मिली। शादी समारोह ,अंत्य विधि इसपर किसी भी प्रकार के प्रतिबंध नही रहेंगे। जिम,सलून,स्पा ब्यूटी पार्लर को इजाजत दी गयी है। ,सर्वजनिकबपरिवाहन सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। यहां लॉकडाउन का कोई नियम नहीं रहेगा।

लेवल 1 में सब कुछ सामान्य

सरकार द्वारा बनाये गए नियम के अनुसार लेवल 1 में मॉल, मल्टीप्लेक्स,थिएटर्स,नाट्यगृह,रेस्टोरेंट शुरू किए जा सकते हैं। लोकल सेवा शुरू करनी है या नहीं यह स्थानीय प्रशासन या डिजास्टर मैनेजमेंट तय करेगा। सार्वजनिक मैदान खुलेंगे, वाकिंग और साइकलिंग को इजाजत दी गई है।

लेवल 2 में थोड़ी खुशी थोड़ा गम

लेवल 2 वाले शहरों में सभी दुकाने शुरू रहेंगी,मॉल, थिएटर्स,रेस्टोरेंट मल्टीप्लेक्स,नाट्यगृह, 50% क्षमता से खुले रहेंगे।लोकल ट्रेन की सेवा सिर्फ अति आवश्यक सेवा से जुड़े लोगों के लिए।सरकारी कार्यालय 100% क्षमता से खुलेंगे,सार्वजनिक मैदान खुले रहेंगे,वाकिंग और साइकलिंग को इजाजत रहेगी। स्पोर्ट्स के लिए सुबह 5 से 9 और शाम 5 से रात 9 बजे तक इजाजत रहेगी। शूटिंग के लिए इजाजत,शादी समारोह के लिए हॉल की क्षमता से 50% अथवा 100 लोगो को इजाजत रहेगी। जिम सलून, स्पा ब्यूटी पार्लर 50% क्षमता के साथ खोले जा सकेंगे। सार्वजनिक ट्रांसपोर्टेशन 100%,खोले जा सकेंगे। कर्फ्यू ज लागू रहेगा।

लेवल 3 में अत्यावश्यक सेवाओ से जुड़ी दुकानें शाम 4 बजे तक खुली रहेंगी। बाकी दुकानें सोमवार से शुक्रवार 4 बजे तक खुली रहेंगी। यह दुकानें शनिवार और रविवार बंद रहेंगी। लेवल 4 में अत्यावश्यक सेवाओ से जुड़ी दुकानें शाम 4 बजे तक खुली रहेंगी।

स्टेशन पर दिखी गंदगी तो कंट्रोल को जाएगा कॉल!

मुंबई, मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर होनेवाली गंदगी को पूरी तरह से खत्म करना मुश्किल है। फिर भी रेलवे नई-नई तकनीक के जरिए अपने मिशन को स्वच्छ रेलवे मिशन के तहत आगे बढ़ा रही है। इसके लिए अब रेलवे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर अधिक जोर दे रही है। इस तकनीकी की मदद से स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी वैâमरे यह बताएंगे कि स्टेशन के किस हिस्से में गंदगी हो रही है। इस तकनीक की मदद से वैâमरा कंट्रोल को संदेश भेजेगा और वहां की गंदगी साफ हो जाएगी। बता दें कि मुंबई के रेलवे स्टेशनों और शहर की आबादी के कारण गंदगी को रोकना चुनौतीपूर्ण है। यहां गंदगी रोकने के लिए रेलवे को तकनीक का ही सहारा लेना होगा। मुंबई में रेलवे इंटीग्रेटेड मैकेनाइज्ड क्लीनिंग की शुरुआत कर रही है। इसके तहत स्टेशनों पर सूखे और गीले कचरे के लिए अलग डस्टबिन लगाए गए हैं। साथ ही सीसीटीवी के जरिए गंदगी पैâलानेवालों पर नजर रखी जा रही है। रेलवे उस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक पर भी काम कर रही है, जिसमें गंदगी होने पर कंट्रोल को संदेश चला जाएगा और गंदगी पैâलानेवाले की पहचान भी हो सकेगी।

केजरीवाल का PM से सवाल- अगर पिज्जा की होम डिलीवरी तो राशन क्यों नहीं?

राजधानी दिल्ली में 72 लाख परिवारों को लाभान्वित करने वाली घर-घर राशन योजना पर केंद्र द्वारा एक बार फिर रोक लगाए जाने से दिल्ली सरकार ने ऐतराज जताया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली में इस हफ्ते से घर-घर राशन पहुंचाने की योजना शुरू होने वाली थी, इसको लेकर सारी तैयारियां हो चुकी थीं मगर केंद्र सरकार द्वारा 2 दिन पहले इसे रोक दिया गया। केंद्र का दावा है कि हमने मंजूरी नहीं ली। हमने एक बार नहीं, बल्कि पांच बार मंजूरी ली है। कानूनी तौर पर हमें केंद्र की मंजूरी की जरूरत नहीं है, लेकिन हमने शिष्टाचार के चलते ऐसा किया। राशन की होम डिलीवरी क्यों नहीं होनी चाहिए? आप राशन माफिया के साथ खड़े होंगे तो गरीबों के साथ कौन खड़ा होगा? उन 70 लाख गरीबों का क्या होगा जिनका राशन ये राशन माफिया चोरी कर लेते हैं। केजरीवाल ने कहा कि राशन माफिया बहुत ताकतवर हैं। बीते 75 साल से इस देश की जनता राशन माफिया का शिकार होती आई है। उसके बाद भी राशन चोरी हो जाता है। 17 साल पहले मैंने इस राशन माफिया के खिलाफ आवाज उठाई थी, हम पर 7 बार खतरनाक हमले हुए, तब मैंने कसम खाई थी कि कभी ना कभी इस सिस्टम को ठीक जरूर करूंगा। इसलिए हम घर-घर राशन पहुंचाने की योजना लेकर आए। मगर इनके डर से सरकार इसे रोक रही है। उन्होंने कहा कि अगर पिज्जा की होम डिलीवरी हो सकती है तो राशन का क्यों नहीं? केजरीवाल ने कहा कि मुसीबत के समय भी केंद्र सरकार सबसे लड़ रही है। पश्चिम बंगाल में ममता दीदी से लड़ रही है। झारखंड सरकार से लड़ रही है।

महाराष्ट्र सरकार से भी लड़ रही है, लेकिन यह समय लड़ने का नहीं मिलकर काम करने का है। केजरीवाल ने कहा कि मैं इस योजना का सारा क्रेडिट केंद्र सरकार को देने के लिए तैयार हूं, मगर योजना को ना रोका जाए। मैंने जनहित के कामों में हमेशा सरकार का साथ दिया है, इसलिए मेरी प्रधानमंत्री जी से अपील है कि दिल्ली में गरीबों के लिए शुरू होने वाली घर-घर राशन योजना को कृपया मत रोकिए।

यूपी मंत्रिमंडल विस्तार पर सीएम योगी लेंगे निर्णय, राज्यपाल से मिलने के बाद बोले राधामोहन सिंह

यूपी में सियासी सरगर्मियों के बीच उत्तर प्रदेश के भाजपा प्रभारी राधा मोहन सिंह ने रविवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में मुलाकात की। मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सही समय पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसपर फैसला लेंगे। राज्यपाल से मुलाकात के बाद राधा मोहन सिंह ने कहा, 'राज्यपाल पुरानी परिचित हैं और आज तक मिल नहीं पाया था। आज उसी औपचारिकता को लेकर मिलने जा रहा हूं। संगठन और सरकार अच्छी तरह चल रहे हैं। कुछ सीटें खाली हैं तो उचित समय पर मुख्यमंत्री निर्णय लेंगे। राज्यपाल से पहले प्रदेश अध्यक्ष से मिले राधा मोहन सिंह योगी मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह शनिवार को लखनऊ पहुंचे। देर शाम उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) सुनील बंसल के साथ बैठक की। रविवार को गृह जनपद बिहार के मोतिहारी रवाना होने से पहले उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात की। इसके बाद वे विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से भी मुलाकात करेंगे।

अकेले महाराष्ट्र में कोरोना से हुई मौतें हो सकती हैं एक लाख पार

अनचाहे रिकॉर्ड में 7 देशों की करेगा बराबरी

देशभर में कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ रही है। दूसरी लहर में सबसे ज्यादा कहर महाराष्ट्र में बरपा है। महाराष्ट्र अब ऐसा राज्य बन गया है जहां कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा एक लाख पार होने वाले है। हैरानी की बात यह है कि दुनियाभर में सिर्फ सात ही देश ऐसे हैं जहां कोरोना से 1 लाख से ज्यादा लोगों की जान गई है। रविवार को आने वाले आंकड़ों के बाद महाराष्ट्र यह अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज कर सकता है। महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना वायरस के 13 हजार 659 नए मामले दर्ज किए गए, जो कि 10 मार्च के बाद से सबसे कम थे। इस दौरान राज्य में 300 लोगों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में अब तक कुल 99 हजार 512 लोगों ने कोरोना की वजह से दम तोड़ा है। ऐसे में रविवार या फिर सोमवार को महाराष्ट्र में कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा 1 लाख पार हो सकता है। अब तक किन सात देशों में लाख से ज्यादा मौतें? दुनियाभर में अभी तक सात ही ऐसे देश हैं जहां कोरोना से होने वाली मौतों का आंकड़ा एक लाख के पार हुआ हो। इनमें से एक भारत भी है। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के बनाए कोविड ट्रैकर के मुताबिक, इस अनचाहे रिकॉर्ड में सबसे ऊपर अमेरिका है जहां कोरोना ने 5 लाख 97 हजार 377 लोगों की जान ली है। इसके बाद भारत में 3 लाख 46 हजार 759, ब्राजील में 4 लाख 72 हजार 531, यूनाइटेड किंगडम में 1 लाख 28 हजार 99, इटली में 1 लाख 26 हजार 472, रूस में 1 लाख 21 हजार 365 और फ्रांस में 1 लाख 10 हजार 135 लोगों ने कोरोना के कारण दम तोड़ा है।

महाराष्ट्र स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 58,19,224 और मृतकों की संख्या बढ़कर 99,512 हो गई है।

राजस्थान में बढ़ रहा है ब्लैक फंगस का प्रकोप

8 दिन में 1600 रोगी बढ़े , देश में सबसे ज्यादा

जयपुर, प्रदेश को जहां कोरोना संक्रमण की धीमी पड़ रफ्तार के चलते आंशिक राहत मिली है। वहीं इसी बीच लगातार अब राजस्थान में ब्लैक फंगस (म्यूकोरमाइकोसिस) का खतरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। प्रदेश में लगातार ब्लैक फंगस के केसेज में इजाफा देखने को मिल रहा है। आलम यह है कि 8 दिन के भीतर ही 1660 मरीज बढ़ गए है। वहीं कुल संख्या रोगियों की 2460 तक पहुंच गए, जो देश में अभी तक की सबसे ज्यादा संख्या बताई जा रही है। लगातार बढ़ते ब्लैक फंगस के केसेज ने सरकार- प्रशासन को भी चिंता में डाल रखा है।

विमान ने मंगवाए ब्लैक फंगस के इंजेक्शन राजस्थान की ओर से ब्लैक फंगस को महामारी घोषित करने के साथ ही इसके इलाज को लेकर भी सरकार की ओर सतर्कता बरतने की कोशिश की जा रही है। क्योंकि लगातार स्थिति बिगड़ती दिखाई दे रही है। केसेज बढ़ रहे है। ऐसे में हालात बद से बदतर ना हो, इसे ध्यान में रखते हुए राजस्थान सरकार की ओर से दो विशेष विमानों से ब्लैक फंगस के इलाज में उपयोग में आने वाले 5550 इंजेक्शन मंगाए हैं। वहीं देश में ब्लैक फंगस की रोकथाम के लिए सबसे अधिक वॉयल खरीदने वाला भी राजस्थान पहला राज्य बन गया है। प्रदेश सरकार ने कुल 60,000 इंजेक्शन वायल खरीदने का आर्डर जारी किया है। मंत्री ऱघु शर्मा ने बताया कि दवा मंगाने के लिए तीनों स्तरों पर कार्य किया जा रहा है। केंद्र सरकार को भी जहां बढ़ते मामलों को अवगत करवाया जा रहा है।

लॉकडाउन में बंद थीं दुकानें...फिर दोगुना कैसे हो गया बिजली बिल?

गाजियाबाद, कोरोना के कारण बाजार बंद हुए तो दुकानदारों का काम-धंधा ठप हो गया। हालत इतनी खराब हो गई कि घर खर्च के लिए भी परेशानी होने लगी। दुकानें बंद होने के बावजूद किराया, बिजली बिल और स्टाफ की सैलरी को लेकर दुकानदार टेंशन में थे कि दिक्कत और बढ़ गई। वैशाली मार्केट के दुकानदारों को बंद दुकानों के ही दोगुने बिजली बिल मिलने लगे। इस बीच बिजली विभाग ने सफाई दी है कि ऑनलाइन बिल बनने की वजह से शिकायतें आ रही हैं। दुकानदारों का कहना है कि यहां अप्रैल से ही कमाई नहीं हुई है। दुकानें बंद हैं, लेकिन बिजली के बिल दोगुने आ गए हैं। जहां पहले बिल पंद्रह सौ रुपये आता था। वहां बंद दुकान का बिल चार हजार तक आ गया है। कई दुकानें जो पहले पूरे दिन चलती थी, तब उनका बिल चार हजार आता था। अब दुकान बंद होने पर भी ज्यादा बिल आया है। दुकानदारों का कहना है कि विद्युत निगम से संपर्क भी किया, लेकिन अनुमानित बिल कहकर लौटा दिया गया है। दुकानदारों का कहना है कि कमाई ही नहीं हुई तो वे बिल कहां से जमा करेंगे और अनुमानित बिल बनाने से पहले विद्युत निगम को देखना चाहिए था कि बिल घर का है या फिर बंद दुकान का। वैशाली उद्योग व्यापार मंडल के वाइस प्रेजीडेंट अजय हिंदुस्तानी कहते हैं, 'पहले जब दुकान खुलती थी तो मेरा बिल दो हजार रुपये रहता था। अब दुकान ही बंद रही है तो बिल चार हजार रुपये का कैसे आ सकता है। पहले तो कमाई ही नहीं है। ऊपर से दोगुना बिल आना किसी परेशानी से कम नहीं है। कहां से बिल भरेंगे, कुछ समझ नहीं आ रहा है।

बड़ी आर्थिक चुनौती

कोरोना के असर से अर्थव्यवस्था के जिस तेजी से उबरने की उम्मीद थी, दूसरी लहर ने उस पर पानी फेर दिया है। वित्त वर्ष 2022 में पहले जहां देश की ग्रोथ 11-14 फीसदी रहने का अनुमान लगाया जा रहा था, अब उसे घटाकर 8.5-10 फीसदी कर दिया गया है। वित्त वर्ष 2021 में ग्रोथ माइनस 7.3 फीसदी रही। कोरोना महामारी की पहली लहर में ग्रामीण क्षेत्रों पर ज्यादा असर नहीं हुआ था और वहां की इकॉनमी मजबूत बनी हुई थी। दूसरी लहर में गांवों पर इसका व्यापक असर हुआ है, जिससे खपत में कमी आने की आशंका है। मई में लॉकडाउन के कारण जहां कंपनियों के प्रॉडक्शन और दुकानों से बिक्री प्रभावित हुई, वहीं लोगों ने अनिश्चितता के कारण खर्च घटाया। इसलिए मई में अप्रैल की तुलना में टीवी, एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन की बिक्री में 65 फीसदी, स्मार्टफोन की बिक्री में 30 फीसदी की कमी आई। अप्रैल में जहां

कंपनियों ने शोरूम में 2 लाख 86 हजार पैसेंजर गाड़ियां भेजी थीं, वहीं मई में इनकी संख्या घटकर 1 लाख से कुछ अधिक रह गई। प्रॉडक्शन और खपत में कमी का रोजगार पर भी बुरा असर हुआ है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) का दावा है कि मई महीने में 1.5 करोड़ लोगों की नौकरी चली गई और 30 मई को खत्म सप्ताह में शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 18 फीसदी के साथ पिछले एक साल में सबसे अधिक हो गई। जून में कई राज्यों में लॉकडाउन में ढील दी गई है, इसलिए हालात कुछ बेहतर हो सकते हैं, लेकिन महामारी के पहले के स्तर तक पहुंचने में अर्थव्यवस्था को वक्त लगेगा। यहां यह बात भी याद रखनी चाहिए कि पिछले साल महामारी के आने से पहले भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ी हुई थी। महामारी ने इस मोर्चे पर दिक्कत बढ़ा दी है और समाज के सभी वर्गों पर इसका असर पड़ा है। कोरोना की दूसरी लहर से पहले प्यू रिसर्च का एक सर्वे आया, जिसमें बताया गया कि 2020 में भारत में मध्यवर्गीय लोगों की संख्या में 3.5 करोड़ की कमी आई। इसी तरह से अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल 23 करोड़ लोग गरीबी की दलदल में फंस गए। सरकार ने पिछले साल अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए बड़ा राहत पैकेज दिया था। सरकारी खजाने की हालत ठीक नहीं, इसलिए अभी उसके लिए ऐसा करना मुश्किल है। इसलिए उदय कोटक जैसे उद्योगपतियों ने कहा है कि रिजर्व बैंक अधिक नोट छापे और सरकार अपनी बैलेंट शीट बढ़ाए। लेकिन अभी तक सरकार की ओर से मौजूदा आर्थिक मुश्किलों से कैसे निपटा जाएगा, इसके संकेत नहीं मिले हैं। यह बात भी तय है कि जब तक लोगों के हाथ में खर्च करने लायक पैसा नहीं बढ़ेगा, तब तक खपत बढ़ने की उम्मीद नहीं है। इसमें बढ़ोतरी इसलिए जरूरी है क्योंकि देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान इसी का है।

बदनीयती का वायरस

किरीट ए. चावड़ा

दुनिया कोविड-19 को काबू करने के उपाय ढूंढ रही है, उधर इस महामारी के फैलने की वजह पर जमी धुंध छंटने का नाम नहीं ले रही। दिसंबर 2019 में चीन ने अपने यहां पहले मामले की पुष्टि की थी। उसके बाद चीन और कई दूसरे देशों के वैज्ञानिकों ने कहा कि कोरोना वायरस चमगादड़ से इंसानों तक पहुंचा। बीच-बीच में लैब में प्रयोग के दौरान वायरस लीक होने की आशंका भी जताई गई, लेकिन तब अधिकतर वैज्ञानिकों ने उसे तवज्जो नहीं दी। इस बीच चीन एक अहम जानकारी छिपाए रहा। अब अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के हवाले से पता चला है कि वूहान में महामारी शुरू होने से

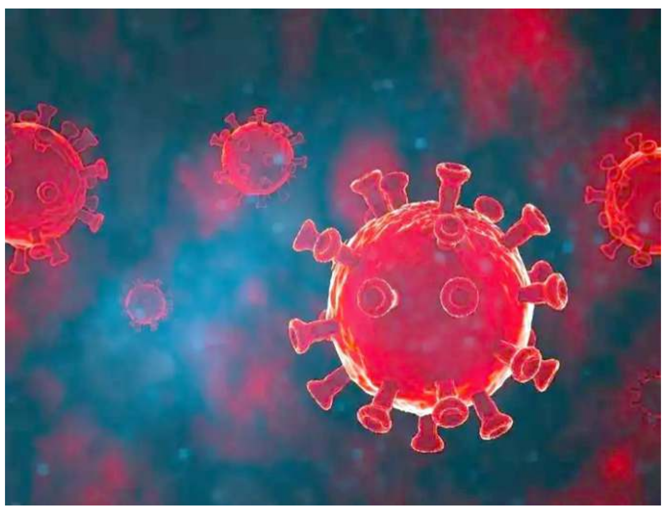

पहले नवंबर 2019 में वूहान इंस्टिट्यूट ऑफ वायरॉलजी के 3 रिसर्चर गंभीर रूप से बीमार पड़े और उनमें कोविड-19 जैसे लक्षण थे। वूहान इंस्टिट्यूट पर वैसे भी वैज्ञानिकों की नजरें रही हैं। वहां SARS के विषाणुओं पर अध्ययन हुए थे। लाइव वायरस पर भी प्रयोग वहां चलते रहते हैं। वहां की टॉप साइंटिस्ट डॉ. शी जेंगली ने कृत्रिम वायरस बनाने की पढ़ाई की थी अमेरिका में। डॉ. शी के नेतृत्व में युन्नान प्रांत की एक खदान से चमगादड़ों के सैंपल लिए गए थे, जिनमें कोरोना खानदान के वायरस मिले। उस खदान में 2012 में छह मजदूर अचानक बीमार पड़े थे। डॉ. शी ने माना है कि उनकी लैब में कोरोना खानदान के विषाणुओं पर प्रयोग हो रहे थे। देखा जा रहा था कि विषाणु अपने स्पाइक प्रोटीन को इंसानी कोशिका के एंजाइम पर चिपका सकता है या नहीं। डॉ. शी का दावा है कि ऐसे प्रयोग भविष्य में आ सकने वाली महामारियों का अंदाजा लेने के लिए किए जा रहे थे। दुनिया के कई वैज्ञानिक ऐसे प्रयोगों को पूरी तरह गलत नहीं मानते, लेकिन वे लैब से लीकेज का सवाल उठा रहे हैं। चीन न तो लीकेज की बात मान रहा है और न ही पूरी जांच करने दे रहा। इस साल विश्व स्वास्थ्य संगठन की जो टीम चीन गई, उसे भी वूहान लैब के पूरे रेकॉर्ड नहीं दिखाए गए। इस बीच, ब्रिटेन और नॉर्वे के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि वूहान लैब में लीकेज से भी कहीं ज्यादा खतरनाक मामला है। वहां कृत्रिम कोरोना वायरस बनाए गए। फिर रेट्रो जेनेटिक इंजीनियरिंग से उनको नैचरल स्वरूप देने की कोशिश की गई ताकि किसी को शक न हो। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने खुफिया एजेंसियों को लैब लीक के पहलू की 90 दिनों में जांच करने को कहा है। विश्व समुदाय को चीन पर दबाव बढ़ाना चाहिए, जिसकी नीयत ठीक नहीं दिख रही। लाखों जिंदगियां तबाह हो चुकी हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि वायरस किस तरह इंसानों तक पहुंचा। यह पता चलने पर ही भविष्य के लिए सुरक्षा उपाय किए जा सकेंगे, इंसान और जानवर के संपर्क के दायरे से लेकर प्रयोगशालाओं तक।

चीन में 3 बच्चों की नीति भी होगी फेल

जिगर डी वाढेर

चीन में एक दंपति के लिए एक बच्चे की नीति 1980 से 2015 तक चली। फिर इसे दूरगामी रूप से समाज के लिए नुकसानदेह मानकर बदला गया और 2016 से प्रति दंपति दो बच्चों की नीति लागू की गई। इस बदलाव को लेकर उत्साह वहां सिर्फ एक साल देखा गया। सन 2017 में चीन में पैदा हुए बच्चों की तादाद 2016 से ज्यादा दर्ज की गई, लेकिन अगले ही साल से इस संख्या में फिर से गिरावट शुरू हो गई। भारत और दुनिया के बाकी देशों की तरह चीन में भी राष्ट्रीय जनगणना दशक के आखिरी साल में होती है और अगले दशक के पहले साल में उसके आंकड़े जारी किए जाते हैं। लेकिन जन्म और मृत्यु का हिसाब ज्यादा सख्ती से रखे जाने के कारण वहां आबादी की घट-बढ़ से जुड़े कामचलाऊ आंकड़े हर साल उपलब्ध हो जाते हैं।कामकाजी आबादी घटीइसके आधार पर दो बच्चों की नीति नाकाम रहने की बातें वहां 2019 से ही कही जाने लगी थीं। लेकिन नवंबर-दिसंबर 2020 में हुई हालिया जनगणना के ब्यौरे देने का काम इस साल अप्रैल में जब दो बार टाल दिया गया तो यह अफवाह जोर पकड़ने लगी कि पिछले साल चीन में हुई कुल मौतें साल में पैदा हुए कुल बच्चों की तादाद से ज्यादा हो गई है। चीनी अफसरों ने पहले लेख वगैरह लिखकर इस अफवाह को खारिज करने का प्रयास किया। फिर मई में जो आंकड़े जारी किए, उनके मुताबिक देश की आबादी गिरनी तो नहीं शुरू हुई है, लेकिन जैसा रुझान है उसे देखते हुए एक बात पक्के तौर पर कही जा सकती है कि जल्दी कुछ नहीं किया गया तो चीन की पहचान अगले दशक में ही जापान की तरह एक बूढ़े देश जैसी बनने लगेगी।

आंकड़े बता रहे हैं कि 15 से 59 साल की कामकाजी आबादी का जो प्रतिशत वहां पिछली जनगणना में 70 से ज्यादा था, वह इस बार 64 से कम रह गया है, जबकि पेंशन पर निर्भर 60 साल या इससे ऊपर की आबादी पिछली बार 13 प्रतिशत के आसपास थी, जो इस बार 18 प्रतिशत से ज्यादा दिख रही है। इससे जुड़े खतरे को वहां की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी अच्छी तरह समझती है क्योंकि समाज में किसी तरह का आक्रोश-असंतोष पैदा होने का सीधा नुकसान उसी को उठाना पड़ेगा। प्रति दंपति तीन बच्चों

की नीति उसकी ओर से इस चिंता के तहत ही लाई गई है। 31 मई को आई इस नीति को लेकर चीन में ट्विटर और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया वेइबो पर बहस शुरू हुई तो 24 घंटे के अंदर 60 करोड़ लोगों ने इसमें हिस्सेदारी की। ज्यादातर लोगों का यही मानना था कि यह बेकार की कवायद है। पिछले छह वर्षों में दो बच्चों की नीति से अगर आबादी नहीं बढ़नी शुरू हुई तो यकीनन यह काम तीन बच्चों की नीति से भी होने वाला नहीं है। सरकार की तरफ से यहीं एक सर्वे इस सवाल के इर्दगिर्द कराया गया कि नीति में बदलाव के बाद क्या वे अधिक बच्चे पैदा करना चाहेंगे। सर्वे पर आई लगभग 31 हजार एंट्रीज में 28 हजार यानी 90 फीसदी के आसपास जब नकारात्मक पाई गईं तो चुपचाप इस सर्वे साइट को ही बंद कर दिया गया। हांगकांग और ताइवान में इस विषय में जो ओपिनियन पीस प्रकाशित हो रहे हैं, उनमें लोगों का कहना है कि चीन सरकार को अपनी समूची जनसंख्या नियंत्रण नीति को ही कूड़ेदान में डाल देना चाहिए क्योंकि इससे अब किसी को कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। फिलहाल चीन को एक तरफ रखकर हम अपने इर्द-गिर्द ही देखें तो पिछले तीन दशकों में बने ज्यादातर शहरी मध्यवर्गीय परिवारों में एक बच्चा ही नजर आता है, जबकि बच्चों की संख्या को लेकर हमारे यहां कभी कोई कानून नहीं रहा। इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि नौकरीपेशा महिलाएं बच्चे का दबाव अपनी आमदनी और करियर पर महसूस करती हैं। जो महिलाएं नौकरी नहीं करतीं, उन पर भी इसी तरह के सामाजिक और वर्गीय दबाव काम करते हैं। दो बच्चों वाले परिवार हमारे यहां अब भी सबसे अच्छे माने जाते हैं, लेकिन तीसरा बच्चा किसी अपवाद स्थिति में ही देखने को मिलता है। छोटे बच्चों की देखरेख का कोई ढांचा न समाज में है न कार्यस्थलों पर। ऐसे में कई बार काम छूट जाने की नौबत आ जाती है। इससे आगे की अड़चन बच्चे की पढ़ाई और लालन-पालन पर बढ़ रहे खर्चे से आती है। चीन में ये सारी समस्याएं भारत जैसी ही हैं और कुछ मामलों में ये यहां से भी ज्यादा गहरी हैं। पैसा मांग रहे हैं लोग मसलन, नौकरीपेशा महिलाओं का प्रतिशत चीन में भारत से कहीं ज्यादा है। बुनियादी आर्थिक असुरक्षा यानी बेरोजगार हो जाने की फिक्र चीनी परिवारों में भारत से कुछ कम है, लेकिन ठीक-ठाक गाड़ी और तीन बेडरूम वाला फ्लैट आज भी ईर्ष्या का कारण बनता है। ऐसे में एक से ज्यादा बच्चे पैदा करने से लोग सिर्फ इसलिए नहीं बचते कि दूसरा-तीसरा बच्चा हो जाने पर उसकी फीस नहीं माफ होगी। भविष्य की पूरी योजना का बंटाधार हो जाना परिवारों को इस दिशा में बढ़ने से रोकता है। चीनी हुकूमत ने अपनी तीन बच्चों की नीति को आकर्षक बनाने के लिए कुछ योजनाएं प्रस्तावित की हैं, हालांकि इन्हें नीतिगत रूप दिया जाना अभी बाकी है।

गुटबाजी में डूबती कांग्रेस की कश्ती

भूपेन्द्र पटेल

अब, जबकि देश में विपक्षी एकता को लेकर फिर से आवाज उठ रही है, इसकी धुरी बनने वाली कांग्रेस गुटबाजी के दलदल में फंसती जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर असंतुष्ट नेताओं की लंबी लिस्ट से पहले से ही परेशान पार्टी में अब पंजाब से लेकर कर्नाटक तक अंदरूनी लड़ाई सिर उठा रही है। इसी गुटबाजी के कारण पार्टी मध्य प्रदेश में सरकार गंवा चुकी है। राजस्थान में अशोक गहलोत की कुर्सी इसी वजह से खतरे में पड़ गई थी। राजस्थान में उपजे उस विवाद का अब तक कोई निपटारा नहीं हुआ है। पार्टी नेतृत्व सचिन पायलट को मनाने के बावजूद आगे का कोई रोडमैप नहीं बना पाया है।

पंजाब में फंसी कैप्टन की कुर्सी

पंजाब में पार्टी के अंदर एक बार फिर से गुटबाजी अपने चरम पर दिखने लगी है। हालांकि पिछले कई सालों से राज्य में यह पार्टी की नियति बनी हुई है, लेकिन अभी पार्टी के लिए चिंता इसलिए बढ़ गई कि महज सात-आठ महीने में वहां विधानसभा चुनाव होने हैं। सीएम अमरिंदर सिंह की अगुआई वाला गुट इस बार बागी नेताओं से सख्ती से निपटना चाहता है, तो उनका विरोधी गुट भी आर पार के मूड में है। बात दिल्ली में शीर्ष नेतृत्व तक आई, लेकिन इससे मामला सुलझने के बजाय उलझ ही गया। कैप्टन ने संदेश दे दिया कि वे राज्य के कैप्टन बने रहेंगे और उन्हें कोई हटा नहीं सकता है। अब वह अगले कुछ दिनों में दिल्ली आकर अपना शक्ति प्रदर्शन भी करने वाले हैं। मालूम हो कि कुछ दिन पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह ने प्रशांत किशोर को अपना प्रमुख सलाहकार बनाने का ऐलान किया था। तब माना गया कि वह उनकी चुनावी कैंपेन संभालेंगे। 2017 चुनाव में भी प्रशांत किशोर ने ही उनकी चुनावी कैंपेन की कमान संभाली थी।

अब तक पंजाब में कांग्रेस के पक्ष में सिर्फ एक ही बात है कि विपक्ष बिखरा है। अकाली दल का बीजेपी से गठबंधन टूटने के बाद पार्टी पर गहरा असर पड़ा है। आम आदमी पार्टी का संगठन तो है और हाल के सालों में वोट बैंक भी बना है लेकिन उसके पास अभी तक कैप्टन को काउंटर करने वाला कोई कद्दावर नेता नहीं है। अकाली दल से अलग होने के बाद बीजेपी अभी राज्य में संघर्ष ही कर रही है। यही कारण है कि नवजोत सिंह सिद्धू को अपने पाले में करने के लिए आम आदमी पार्टी पिछले कई सालों से कोशिश कर रही है। पिछले चुनाव से पहले भी जब सिद्धू बीजेपी से अलग हुए थे तब आम आदमी पार्टी ने उनसे संपर्क किया था, लेकिन तब बात नहीं बन सकी थी।

इस बार भी जब वह पार्टी से नाराज हुए तो उनके अगले कदम पर सबकी नजर गई। सिद्धू गांधी परिवार के करीबी बताए जाते हैं। इस बार उन्हें भरोसा दिलाया गया कि उन्हें पार्टी में उचित जगह मिलेगी। लेकिन पार्टी सूत्रों के अनुसार इस बार गुटबाजी अलग स्तर तक चली गई है जहां दोनों पक्ष कम से कम अभी किसी तरह के समझौते के मूड में नहीं हैं। पार्टी का यह भी मानना है कि इसका कोई खास असर नहीं पड़ेगा। पिछली बार कैप्टन अमरिंदर सिंह के दबाव के बावजूद पार्टी ने उन्हें अपना सीएम उम्मीदवार घोषित नहीं किया था लेकिन चुनाव के बीच पार्टी ने उन्हें नेता के रूप में प्रॉजेक्ट कर दिया। इस टूट को रोकने के लिए इस बार नेतृत्व क्या पासा फेंकता है, वह भी अगले कुछ दिनों में पता चल जाएगा।

कर्नाटक में भी शुरू हुई रार

कर्नाटक में विवाद ऐसे समय शुरू हुआ, जब वहां येदियुरप्पा की अगुवाई वाली सत्तारूढ़ बीजेपी में भी घमासान है। सूत्रों के अनुसार पार्टी में चल रही उठापटक के बीच राज्य के पूर्व सीएम और कद्दावर नेता सिद्धारमैया पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने अगले हफ्ते आ रहे हैं। इस मीटिंग में वह खुद को अगले विधानसभा चुनाव में सीएम पद के लिए उम्मीदवार घोषित करवाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, वह राज्य में पार्टी अध्यक्ष के लिए एमबी पाटिल का नाम सुझा रहे हैं। उनका तर्क है कि अगले चुनाव में येदियुरप्पा बीजेपी का चेहरा नहीं होंगे, जो लिंगायत समुदाय के सबसे बड़े नेता माने जाते हैं। ऐसे में लिंगायत समाज के एमबी पाटिल को अगर पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बनाती है तो यह समुदाय कांग्रेस की ओर लौट सकता है। इनका फॉर्म्युला है कि मौजूदा पार्टी अध्यक्ष डीके शिवकुमार को कोई दूसरी भूमिका दी जाए। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व उनकी बात को मानने को तैयार नहीं है। पार्टी ने पिछले दिनों रणदीप सुरजेवाला को कर्नाटक की जिम्मेदारी दी थी। अभी तक वह इस मसले पर खुलकर स्टैंड लेने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि अभी चुनाव में देरी है, तब तक यह मामला सुलझा लिया जाएगा। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 2023 के फरवरी-मार्च में होना है।

मौजूदा विवाद के पीछे कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के नेतृत्व में शुरू हुई वह कैंपेन है, जिसमें परोक्ष रूप से उन्हें सीएम उम्मीदवार के रूप में प्रॉजेक्ट किया जा रहा है। इस पर सिद्धारमैया गुट ने कड़ी आपत्ति जताई है। मामले ने इसलिए जोर पकड़ा, क्योंकि कैंपेन उसी एजेंसी के माध्यम से की जा रही है जिसने असम में कांग्रेस का चुनाव प्रचार संभाला था। ऐसे में वहां संदेश गया कि केंद्रीय नेतृत्व के इशारे पर ऐसा हो रहा है। हालांकि पार्टी सूत्रों के अनुसार अभी इस बारे में कुछ भी तय नहीं हुआ है और कैंपेन चुनाव से संबंधित नहीं है। लेकिन अब जब बात उठ ही गई है तो सिद्धारमैया गुट आर-पार के मूड में है। उसे लगता है कि अगर चीजें अभी साफ नहीं हुईं, तो अंतिम समय में इस कारण नुकसान उठाना पड़ सकता है। सिद्दारमैया मानते हैं कि अगले विधानसभा चुनाव में राज्य में कांग्रेस के लिए बेहतर मौका हो सकता है, लेकिन इन मौकों को भुनाने से पहले अपने घर को दुरुस्त करना होगा।

भाईदंर मे मच्छरों का बढ़ा प्रकोप

गणेश पाण्डेंय।भाईदंर

इन दिनो भाईदंर महानगर पालिका क्षेत्र मे मच्छरों का प्रकोप बढ़ते जा रहा है जिसका वजह मच्छरों से बचने के लिए धुएँ और छिड़काव आदि का समय समय पर ध्यान न देना पालिका स्वास्थ्य कर्मियों की रख रखाव शहर की सफाई निर्भर करता है।

शहर के खारीगांव,केविन रोड, वैंकटेश्वर नगर,बीपी रोड,और शीतल शापिंग सेंटर और भांजी मार्केट आदि क्षेत्र मे आए दिन मच्छरों ने जीना दूभर कर रखा है।चुंकि मानसून अब धीरे धीरे करीब है और बारिश के पहले इन क्षेत्रो मे छिडकाव नही किया गया तो डेंगू जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है।

कुछ समाजसेवी संगठन और स्थानीय लोगों ने इसे लेकर मीरा भाईदंर मनपा को तत्काल संज्ञान लेकर रोकथाम करनेके लिए छिड़काव नितांत आवश्यक बताया और पहले से कोराना जैसे आपदा मे डेंगू का निवारण जरूरी है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर सेना के जवानों ने लगाए पेड़

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर मुंबई में दक्षिणी कमान की 129 एयर डिफेंस रेजीमेंट ने कलिना केंपस में पौधारोपण अभियान चलाया। यह प्लांटेशन की मुहिम विकलांग जनों के लिए काम करने वाली एनजीओ नन्हीं गूंज और सेना के जवानों की तरफ से मिलकर की गई। इस अभियान के जरिए लोगों के अंदर पर्यावरण सुरक्षा का भाव जगाने का प्रयास किया गया है।

जिस तरह से कोरोना महामारी के दौर में सभी ने ऑक्सिजन के संकट को झेला है और उसकी वजह से कई लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इस बात के मद्देनजर पेड़ों की कितनी जरूरत हमारी जिंदगी में है।

इस बारे में लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही अपील भी की गई कि सभी लोग ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं और उन्हें संरक्षित भी करें।

ठाणे के बदलापुर में एक कंपनी से गैस का रिसाव, आसपास के लोगों ने की सांस लेने में तकलीफ की शिकायत

मुंबई के पास ठाणे के बदलापुर में गुरुवार रात एक फैक्टरी में गैस रिसाव होने से लोगों में अफरातफरी मच गई। यह गैस तीन किलोमीटर तक के इलाके में फैल गई। इसके बाद स्थनीय लोगों को सांस लेने में दिक्कत का होने लगी। कइयों ने आंखों में जलन की शिकायत भी की है।

नोवल इंटरमीडिया नाम की यह कंपनी बदलापुर के MIDC (इंडस्ट्रियल इलाके) में स्थित है। यहां के शिरगांव आपटेवाडी के 3 किमी से ज्यादा के इलाके में इसका असर देखने को मिला। घटना के कुछ ही घंटे बाद इस रिसाव पर काबू पा लिया गया था। फिलहाल स्थिति सामान्य है। ठाणे नगर निगम ने इस पूरे मामले की जांच का आदेश दे दिया है। कई लोगों को उल्टी की शिकायत भी हुई है। रात 11.24 बजे फायर ब्रिगेड ने रिसाव पर काबू पाया है। स्थिति अब नियंत्रण में है। जान बचाने के लिए भागते नजर आए लोग गैस का रिसाव होने की खबर के बाद शुरू में लोगों में भगदड़ मच गई थी। लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों पर भागते नजर आए। वहीं प्रशासन, फायर ब्रिगेड और पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने अनाउंसमैंट कर लोगों को बताया कि गैस ज़हरीला नहीं तब माहौल शांत हुआ।

10 सालों में भारतीय रेलवे को कार्बन मुक्त किया जाएगा

मुंबई, जमाना अब इको फ्रेंडली हो रहा है। खासतौर से कोरोना के बाद अब पर्यावरण को बचाने को चिंता भी हो रही है। देश की प्रगति में योगदान देने वाली रेलवे ने 2030 तक रेलवे को कार्बन मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए भारतीय रेल (आईआर) दुनिया में सबसे बड़ा हरित रेलवे बनने के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। इसके लिए तेजी से विद्युतीकरण का काम हो रहा है। भारतीय रेल बड़े पैमाने पर विद्युतीकरण हो रहा है। इसके अलावा रोजाना पानी की बचत, ऑफिस की फाइलों को कागजों से मुक्ति और पटरियों पर जानवरों को घायल होने से बचाने में पर्यावरण की मदद कर रहा है। मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के अनुसार, 2014 के बाद से रेलवे में विद्युतीकरण की गति लगभग 10 गुना बढ़ गई है। बिजली से चलने वाली ट्रेनें पर्यावरण के अनुकूल हैं और इनसे प्रदूषण भी कम होता है। भारतीय रेल ने मेल एक्सप्रेस ट्रेनों के मार्गों पर 100% विद्युतीकरण के लिए इन मार्गो के शेष बचे हुए विद्युतीकरण कार्य को दिसंबर, 2023 तक पूरा करने की योजना बनाई है। इससे डीजल ट्रैक्शन को खत्म करने में आसानी होगी नतीजतन इसके कार्बन फुटप्रिंट और पर्यावरण प्रदूषण में कमी आएगी। इसके अलावा भारतीय रेल हेड ऑन जनरेशन सिस्टम भी शुरू कर रहा है, जिसके तहत लोकोमोटिव के माध्यम से सीधे ओवर हेड इक्विपमेंट से कोचों को बिजली की आपूर्ति की जाती है। यह ट्रेनों में अलग पावर कारों की आवश्यकता को समाप्त करता है और इस प्रकार अतिरिक्त कोचों को खींचने की आवश्यकता को कम करता है और दक्षता बढ़ाता है। इससे कार्बन फुटप्रिंट में प्रतिवर्ष 31,88,929 टन की कमी आएगी। पावर कारों को खत्म करने से ₹2,300 करोड़ की ईंधन लागत में भी बचत होगी।

नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के पीएम से संबंध इसलिए नहीं हो रही है कार्रवाई, उद्दव के मंत्री का बड़ा आरोप

- पीएम मोदी पर महाराष्ट्र के मंत्री का विवादित बयान
- महाराष्ट्र के ग्राम विकास मंत्री हसन मुश्रीफ ने पीएम किया कटाक्ष
- मुश्रीफ ने कहा कि मेहुल चौकसी और नीरव मोदी के पीएम मोदी से अच्छे संबंध
- इस बयान के बाद मुश्रीफ महाराष्ट्र में विपक्ष के निशाने पर आ गए हैं

मुंबई, महाराष्ट्र के ग्राम विकास मंत्री हसन मुश्रीफ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर एक विवादित बयान दिया है। मुश्रीफ ने कहा है कि पीएनबी बैंक घोटाला मामले के आरोपी नीरव मोदी और मेहुल चौकसी के पीएम मोदी के साथ अच्छे संबंध हैं। इसी वजह से दोनों आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है।

मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए हसन मुश्रीफ ने यह बयान दिया है उन्होंने कहा कि नीरव मोदी और मेहुल चौकसी दोनों ही गुजरात के हैं। इसलिए इनके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अच्छे संबंध है। उन्होंने कहा कि मेहुल चौकसी को गिरफ्तार करने के बावजूद हमारे देश की जांच एजेंसियां खाली हाथ वापस लौट आई हैं।

बैरंग लौटी जांच एजेंसियां

चौकसी को हिंदुस्तान वापस लाने के लिए 8 सदस्यों का एक दल डोमिनिका गया हुआ था। लेकिन डोमिनिका हाई कोर्ट ने चौकसी मामले की सुनवाई को अगली तारीख तक स्थगित कर दिया।

इसलिए चौकसी का भारत आने के लिए होने वाला प्रत्यर्पण नहीं हो पाया।

लिहाजा जांच एजेंसियों को खाली हाथ लौटना पड़ा है।

पीएनबी घोटाले में चौकसी का नाम

मेहुल चौकसी और नीरव मोदी दोनों पर पंजाब नेशनल बैंक के अधिकारियों के साथ मिलकर 13500 करोड रुपए का घोटाला करने का आरोप है।

नीरव मोदी फिलहाल लंदन की जेल में है। सीबीआई दोनों आरोपियों के खिलाफ जांच में जुटी हुई है। इस घोटाला मामले में चौकसी की अब तक 14 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त की गई है।

वहीं नीरव मोदी को भी इंग्लैंड की कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उसे किसी भी प्रकार की सहूलियत देने से इनकार कर दिया है। नीरव मोदी को दोषी ठहराने के लिए जरूरी सबूत होने की जानकारी भी अदालत ने दी है। उसने सभी सबूतों को नष्ट करने और गवाहों को धमकाने का भी प्रयास किया था मेहुल चौक से जनवरी 2018 में हिंदुस्तान से फरार हो गया था।

ठाणे में बड़े सैक्स रैकेट का भंडाफोड़

2 स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस समेत 5 लोग गिरफ्तार, एक ग्राहक से लेती थीं 2 लाख रुपए; देश के कई अन्य राज्यों में इस रैकेट के तार जुड़े होने का संदेह

एक प्राइवेट सोसाइटी में चलने वाले एक हाई प्रोफाइल सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए ठाणे क्राइम ब्रांच की टीम ने दो स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस, 2 महिला एजेंट और एक को अरेस्ट किया है। क्राइम ब्रांच टीम से मिली जानकारी के अनुसार, ये दोनों पचपाखड़ी की एक सोसाइटी के फ्लैट से इस रैकेट को संचालित कर रहीं थीं। ये दोनों मुंबई में एक बड़े एजेंट के संपर्क में थी। जांच में सामने आया है कि इनके ग्राहकों में कई अमीर लोग शामिल थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों अभिनेत्रियों ने कुछ तमिल फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वे कुछ बॉलीवुड फिल्मों और सीरियलों में भी साइड एक्ट्रेस के रूप में नजर आई हैं। मुखबिरों के माध्यम से मिली सूचना के बाद दोनों पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक भेज इस पूरी रेड को अंजाम दिया। एक्ट्रेस में से एक ने ग्राहक से 2 लाख रुपए की डिमांड की थी। हालांकि, बाद में वह 1 लाख 80 हजार लेने को तैयार हो गई थी। बॉलीवुड से जुड़े कुछ अन्य लोगों के शामिल होने का संदेह पुलिस को संदेह है कि इनके संपर्क में रहने वाली कई अन्य एक्ट्रेस भी इस व्यवसाय में लिप्त हो सकती हैं। आज दोनों को अदालत में पेश कर क्राइम ब्रांच की टीम कस्टडी मांग सकती है। जांच में यह भी सामने आया है कि यह एक ग्राहक से एक से डेढ़ लाख रुपए तक की फीस लेते थीं। गिरफ्तार हुई महिलाओं में एक फ्लैट की मालकिन भी है।

बीएमसी की विदेशी वैक्सीन पाने की आस टूटी, कोई भी निर्माता कंपनी से अनुबंध पत्र नहीं ला सका

मुंबई, कोरोना की तीसरी लहर आने से पहले ज्यादा से ज्यादा मुंबईकरों का टीकाकरण करने की बीएमसी की योजना को तगड़ा झटका लगा है, क्योंकि बीएमसी द्वारा 1 करोड़ वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए निकाले गए टेंडर को भरने वाली 9 कंपनियां जरूरी दस्तावेज नहीं उपलब्ध करा सकीं। जिसके कारण बीएमसी ने सभी कंपनियों के प्रस्ताव को अपात्र घोषित कर दिया। बीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (प्रोजेक्ट) पी वेलरासू ने बताया कि टेंडर भरने वाली कंपनियां वैक्सीन उत्पादक कंपनियों के साथ अनुबंध पत्र नहीं मुहैया करा सकीं जिसके कारण सभी 9 कंपनियों के प्रस्ताव को अपात्र घोषित कर दिया गया। वेलरासू ने कहा कि वैक्सीन के महत्त्व को देखते हुए रूस की स्पूतनिक वी वैक्सीन के वितरक डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज से शुक्रवार को संपर्क किया गया है। डॉ. रेड्डीज ने प्रयोगात्मक रूप से स्पूतनिक वी की वैक्सीन उपलब्ध कराने की हामी भरी है।

बता दें कि 1 करोड़ वैक्सीन के लिए बीएमसी ने 12 मई 2021 को ग्लोबल टेंडर जारी किया था। तब टेंडर भरनेवाले प्रस्तावकों को कागजात जमा करने के लिए पहली बार 25 मई तक टेंडर की समय सीमा बढ़ाई गई थी। उसके बाद 1 जून तक फिर समय बढ़ाया गया और प्रस्तावकों से वैक्सीन निर्माता कंपनियों के अनुबंध पत्र जमा करने को कहा गया। लेकिन कोई प्रस्तावक वैक्सीन निर्माता कंपनियों का अनुबंध उपलब्ध कराने में सफल नहीं हुआ। जिसके कारण सभी को अपात्र घोषित कर दिया गया। वेलरासू ने कहा कि आधे- अधूरे प्रस्ताव पर हम आगे नहीं बढ़ सकते। हम सभी मुद्दों पर स्पष्ट होना चाहते थे, जिससे हमें समय पर वैक्सीन उपलब्ध हो। हमने कंपनियों से पूछा कि हमें कितने दिनों में वैक्सीन उपलब्ध कराएंगे, कितनी मात्रा में डोज उपलब्ध होगी, वैक्सीन का रेट क्या होगा व डिपॉजिट रकम क्या होगी। कोई कंपनी हमारे सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे सकी। इसलिए बीएमसी प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। स्पूतनिक वी से आखिरी उम्मीद

विदेशी वैक्सीन पाने की बीएमसी की आखिरी उम्मीद रूस की स्पूतनिक वी है। वेलरासू ने बताया कि स्पूतनिक वी की वितरक कंपनी डॉ. रेड्डीज से शुक्रवार को वैक्सीन उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई है। डॉ. रेड्डीज ने जून के आखिरी तक प्रयोगात्मक रूप से कुछ वैक्सीन उपलब्ध कराने की हामी भरी है। इस वैक्सीन के स्टॉक करने का नियम अलग है। इसलिए इसे रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था की जाएगी। डॉ. रेड्डी ने जुलाई व अगस्त में स्पूतनिक वी की बड़े पैमाने पर उपलब्धता की बात कही है। अगले 8 से 10 दिनों में दोबारा डॉ. रेड्डीज के साथ हम बातचीत करेंगे। जिससे समय रहते मुंबई को बड़े पैमाने पर वैक्सीन उपलब्ध हो सके।

तीसरी लहर से पहले वैक्सीनेशन मुश्किल

नौ कंपनियों को अपात्र घोषित करने के बाद बीएमसी के सामने सीमित विकल्प बचे हैं। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि अब हमें केंद्र सरकार व राज्य सरकार पर निर्भर रहना होगा। कोवैक्सीन व कोविशील्ड की उत्पादन क्षमता व वितरण प्रणाली केंद्र सरकार तय करती है।ऐसे में हमें राज्य सरकार के जरिए केंद्र से ज्यादा से ज्यादा वैक्सीन पाने की कोशिश करनी होगी। डॉ. रेड्डीज कितनी वैक्सीन उपलब्ध कराएगी, कब तक उपलब्ध कराएगी यह देखने वाली बात होगी।

कोरोना की दूसरी लहर में बच्चे भी हो रहे पोस्ट कोविड परेशानियों के शिकार

मुंबई: जिस तरह वयस्कों में पोस्ट कोविड की तकलीफ़ दिखती हैं, ठीक वैसे ही कोरोना की दूसरी लहर के दौरान ऐसे बच्चों की संख्या बढ़ी है जो पोस्ट कोविड की समस्या से जूझ रहे हैं. इनमें से ज़्यादातर का कभी टेस्ट नहीं हुआ क्योंकि कोविड के लक्षण या तो बेहद कम थे या नहीं थे लेकिन क़रीब एक महीने बाद पोस्ट कोविड गंभीर रूप ले रहा है. पोस्ट कोविड की तकलीफ़ वाले बच्चे अस्पताल ज़्यादा पहुंच रहे हैं, जिनकी एंटी बॉडी पॉज़िटिव हैं. दो साल का अमन अब अस्पताल से डिस्चार्ज हो रहा है, वह हाई फ़ीवर, सांस में तकलीफ़ और खांसी की शिकायत के साथ डॉक्टर के पास पहुंचा था. एंटीबॉडी पॉज़िटिव था, कोविड कब हुआ यह पता नहीं लेकिन लक्षण के दूसरे दिन ही डॉ. इरफ़ान अली के पास पहुंचा. अब पांच दिन के इलाज के बाद इसे अस्पताल से छुट्टी मिल रही है... मुंबई के पीडिएट्रिक इंटेंसिविस्ट डॉ इरफ़ान अली कहते हैं, 'बच्चे का एंटीबॉडी टेस्ट high titer में पॉज़िटिव आया. ब्लड टेस्ट में hb काफ़ी लो था,इसलिए ब्लड भी चढ़ाना पड़ा. हीमोग्लोबिन लो होता है तो सांस में तकलीफ़ होती है. बच्चे को सांस में ज़्यादा दिक़्क़त थी, उसे स्टेरॉइड देना पड़ा. अब 5 दिन में फ़ीवर पूरी तरह से चला गया है. अभी बच्चा बिल्कुल सिम्प्टम फ्री है और अब हम उसको डिस्चार्ज कर रहे हैं.' डॉक्टर बताते हैं कि उनके पास पहुंच रहे कोविड के लक्षण वाले बच्चों में 70% से ज़्यादा बच्चे पोस्ट कोविड की तकलीफ़ लेकर आते हैं, इनकी एंटी बॉडी पॉज़िटिव होती है. यानी कोविड बिना या कम लक्षण के साथ इन्हें संक्रमित कर निकल जाता है और क़रीब 20 दिन से एक महीने बाद बच्चों में बढ़ी तकलीफ़ साफ़ दिखती है.

महाराष्ट्र में मॉनसून ने दी दस्तक, रत्नागिरी समेत तटीय हिस्सों में बारिश

मुंबई, महाराष्ट्र में शनिवार को पहुंचे दक्षिण पश्चिम मॉनसून के कारण राज्य के कुछ तटीय हिस्सों में बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक शुभांगी भुते ने कहा कि मॉनसून उम्मीद के मुताबिक रहा है। उन्होंने इस बार के मॉनसून से अच्छी बारिश होने की उम्मीद जताई है। आईएमडी के क्षेत्रीय केंद्र की निदेशक शुभांगी भुते ने कहा कि दक्षिण पश्चिम मॉनसून महाराष्ट्र में पहुंच गया है। यह औपचारिक रूप से तटीय रत्नागिरी जिले में हरनाई बंदरगाह में पहुंच गया है। इसके दस्तक देने का वास्तविक क्षेत्र सोलापुर और मराठावाड़ा के कुछ हिस्सों तक और उसके बाद तेलंगाना और आंध्र प्रदेश तक होता है। शुभांगी भुते ने कहा कि मॉनसून से इन क्षेत्रों में बारिश आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल है। कुछ दिनों पहले मौसम विभाग ने अनुमान जताया था कि मॉनसून के उत्तर और दक्षिण भारत में सामान्य रहने, मध्य भारत में सामान्य से अधिक रहने और पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से कम रहने का अनुमान है। दक्षिण पश्चिम मॉनसून ने दो दिन की देरी से गुरुवार को केरल में दस्तक दी थी। केरल में आमतौर पर दक्षिण पश्चिम मॉनसून 1 जून तक पहुंचता है। मौसम विभाग की तरफ से जारी मैप के अनुसार दस्तक देने के एक दिन बाद ही यह तेजी से पूर्वोत्तर भारत की तरफ बढ़ेगा। जैसे-जैसे दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आगे बढ़ेगा 15 जून तक यह पूरे महाराष्ट्र, दक्षिण गुजरात, मध्य और दक्षिण मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्से, झारखंड, बिहार और दक्षिण ओडिशा को कवर कर लेगा। इसके साथ ही उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में भी मॉनसून की बारिश होगी।

मुंबई में सड़क के लुटेरे हुए गिरफ्तार,सरेराह वर्दी का रौब दिखाकर होती थी लूटपाट

मुंबई क्राइम ब्रांच के हत्थे एक ऐसा गिरोह चढ़ा है जिसका सरगना खुद एक पुलिसकर्मी है। यह गिरोह लोगों को लूटा करता था वो भी वर्दी का रौब दिखाकर। फिलहाल इस गिरोह के 4 सदस्य क्राइम ब्रांच की हिरासत में है।

हाथों में हथकड़ी और चेहरे पर नकाब पहने ये वो शातिर चोर हैं जो मुंबई की सड़कों पर दिनदहाड़े लोगो को लूटने का काम किया करते थे। लेकिन पिछले दिनों एक ज्वेलर को लूटना इनके लिए भारी पड़ गया। जिसकी वजह से अब ये सब हवालात की हवा खा रहे हैं। हैरानी वाली बात यह है कि इन लुटेरों की गैंग में एक पेशे से पुलिसकर्मी भी है।

जिस वारदात के बाद इन लुटेरों की गिरफ्तारी हुई है वो 3 दिन पहले हुई थी। जब पीड़ित ज्वेलर अपने साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर मुंबई के भायखला इलाके से गुजर रहा था। तभी इन लोगों ने उसे बीच सड़क पर रोक लिया। खुद को पुलिसकर्मी बताकर उसके गाड़ी के पेपर चेक करने के बहाने उसके पास मौजूद 2 किलो 500 ग्राम सोना लेकर चंपत हो गए। इस सोने की तकरीबन कीमत सवा करोड़ रुपये है।

मस्तिष्क और मन पर कोविड-19 का असर कितना गहरा? जानें रिसर्च के तथ्य

मनोज जोशी

कोविड-19 को पहले फेफड़ों की बीमारी बताया गया था लेकिन जैसे-जैसे यह महामारी फैलती गई तो हमें अहसास हुआ कि यह मनुष्य के शरीर के और अंगों में भी फैलती है। कोविड-19 का संबंध त्वचा पर चकत्ते होने, रक्तस्राव विकार और हृदय तथा किडनी को पहुंचने वाली क्षति से रहा है। इससे मस्तिष्क और दिमाग की दिक्कतें भी हो रही हैं। शुरुआत के अध्ययनों से यह डर

पैदा हो गया कि आघातों, मस्तिष्क में सूजन और मांसपेशियों के विकार की लहर से स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं ढह जाएंगी। कोरोना वायरस के पूर्व की समीक्षाओं में यह चेतावनी दी गई कि कोविड-19 से उबरने वाले लोगों को तनाव और पीटीएसडी (पोस्ट ट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) जैसी मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, इन चिंताओं को साबित या गलत साबित करने के लिए विश्वसनीय आंकड़ें मिलना मुश्किल था। अत: मनोरोग विज्ञान, मनोविज्ञान और तंत्रिका विज्ञान के अनुसंधानकर्ताओं के साथ मिलकर हमने मस्तिष्क पर कोविड-19 के असर पर उपलब्ध अनुसंधानों का अध्ययन किया। हमने जो देखा वह यह है :अलग-अलग स्थितियां, अलग-अलग आवृत्तियां, हमारी टीम को जल्द ही यह पता लग गया कि कोविड-19 और मस्तिष्क के बीच संबंध के ज्यादातर मामले मरीजों के छोटे, उच्च चयनित समूहों से जुड़े हैं। इससे निपटने के लिए हमने कोविड-19 के तंत्रिका विज्ञान और मनोविज्ञान से संबंधित 13,000 से अधिक दस्तावेज खंगाले। इनमें 30 देशों के 1,05,000 लोगों की जानकारी थी। हमने पाया कि इन अध्ययनों में तंत्रिका-मनोविकार के सबसे आम लक्षण गंध का चले जाना, कमजोरी, थकान और स्वाद में बदलाव था। हमने जिन मरीजों का अध्ययन किया उनमें से 30 प्रतिशत से अधिक में गंध चले जाने और कमजोरी के लक्षण दिखाई दिए। हालांकि, मस्तिष्क से संबंधित गंभीर स्थितियां जैसे कि मस्तिष्क में सूजन और प्रतिरक्षा प्रणाली के तंत्रिकाओं पर हमले करने को दुर्लभ रूप से ही मरीजों में देखा गया। बहरहाल हमने पाया कि कुछ अहम मानसिक बीमारियां जैसे कि अवसाद और बेचैनी कोविड-19 के 25 प्रतिशत मरीजों में देखी गयी। इससे आने वाले वर्षों में मरीजों पर काफी बोझ पड़ सकता है। यहां तक कि काफी कम होने वाली तंत्रिका तंत्र संबंधी बीमारियां जैसे कि आघात भी मरीजों और स्वास्थ्य देखभाल व्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती होगी। दिलचस्प बात यह है कि हमने पाया कि कई लक्षण (मांसपेशियों में दर्द और गंध का चले जाना) असल में उन लोगों में ज्यादा दिखाई दिए जिन्हें ज्यादा गंभीर संक्रमण नहीं था। साथ ही हमने कई लोगों में थकान और सिर में दर्द जैसे लक्षण भी देखे और ये ऐसे मरीज थे जिन्हें अस्पताल में भर्ती नहीं कराया गया। इस अनुसंधान को पढ़ते वक्त आपको लग सकता है कि : हम कैसे जानेंगे कि कोविड-19 से ये दिक्कतें हो रही हैं? अवसाद आम है और ऐसे लोगों में बिना कोविड-19 हुए भी अवसाद हो सकता है? और तब क्या होगा जब कोई मनोरोग आपमें कोविड-19 होने की आशंका को और बढ़ा देता है? साथ ही कोविड-19 के बाद मनोरोग और तंत्रिका संबंधी दिक्कतें और अधिक होती दिखाई दे रही हैं। मस्तिष्क पर कोविड-19 के असर का पता लगाना केवल एक कदम है। असल में इस बीमारी के तंत्रिका संबंधी और मनोविकार संबंधी असर आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों के लिए एक चुनौती खड़ी कर सकते हैं।

इम्यूनिटी बढ़ाकर मोटापा करती है कंट्रोल Lemongrass Tea, जानें कई गजब के फायदे

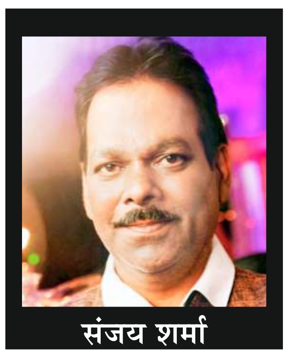
संजय शर्मा

व्यक्ति के सेहतमंद बने रहने के ज्यादातर उपाय उसकी किचन में ही मौजूद होते हैं, जिनकी सही जानकारी उसे कई गंभीर रोगों से दूर रखने में मदद कर सकती है। ऐसा ही एक उपाय है लेमनग्रास। लेमन ग्रास विटामिन ए, विटामिन सी, फोलेट एसिड, मैग्नीशियम, जिंक, कॉपर, आयरन और फास्फोरस जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों से भरपूर एक औषधि है। आइए जानते हैं कैसे लेमनग्रास का उपयोग करके सेहत को मिलते हैं कौन से गजब के फायदे।

नींबू के समान आती है महक

लेमन ग्रास की महक नींबू की तरह होती है। इसका ज्यादातर उपयोग चाय में अदरक की तरह किया जाता है। लेमन ग्रास के एंटी बैक्टीरियल, एंटी इन्फ्लेमेटरी व एंटी फंगल गुण होते हैं, जो व्यक्ति को कई बीमारियों व संक्रमण से दूर रखने में मदद करते हैं।

बेड कोलेस्ट्रोल को कम करने में करती है मदद

लेमन ग्रास का सेवन करना दिल के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसका सेवन करने से शरीर में मौजूद बेड कोलेस्ट्रोल कम होता है। बेड कोलेस्ट्रोल, जिसे एलडीएल भी कहा जाता है, यदि शरीर में इसका स्तर बढ़ता है तो हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। लेमन ग्रास की पत्तियों में यह

गुण होता है कि यह खून में मौजूद अवांछित वसा को कम करने में सहायक होती है।

पाचन सुधारती है लेमन ग्रास

चाय लेमन ग्रास टी पाचन शक्ति बढ़ाने में भी मदद करती है। इसके सेवन से पेट के अल्सर और इससे जुड़ी अन्य समस्याएं भी नहीं होती है। कब्ज, अपच, गैस या एसिडिटी जैसी समस्याएं भी लेमन ग्रास के सेवन के कम हो जाती हैं।

किडनी के लिए फायदेमंद

लेमन ग्रास को मसाले के रूप में या चाय के रूप में सेवन करने से किडनी को भी फायदा होता है, क्योंकि इसमें मूत्रवर्धक गुण पाया जाता है। एक सामान्य व्यक्ति को दिनभर में 10 से 12 बार टॉयलेट जरूर जाना चाहिए। लेमन ग्रास किडनी को स्वच्छ रखने में मदद करती है। इससे किडनी में स्टोन (पथरी) जैसी समस्या नहीं होती है।

कैंसररोधी है लेमन ग्रास

लैमन ग्रास में कैंसररोधी गुण पाए जाते हैं। यह कैंसर सेल्स की कॉलोनी को खत्म करने में अहम भूमिका निभाती है। रोज चाय में यदि लेमन ग्रास डालकर जी जाए तो कैंसर का खतरा बेहद कम हो जाता है।

वजन घटाना है तो जरूर पीएं लेमन ग्रास टी

लेमन ग्रास की चाय का नियमित सेवन करने से व्यक्ति को वजन घटाने में आसानी होती है। लेमन ग्रास शरीर से अनावश्यक चर्बी को घटाकर इम्यून सिस्टम को भी मजबूत बनाती है। यह शरीर को बहुत तेजी से डिटॉक्सिफाई करती है। इसके अलावा लेमन ग्रास गठिया, नींद नहीं आने की समस्या, अवसाद आदि समस्या को भी दूर करती है।

गर्मियों में पेट के लिए फायदेमंद है बेल का शरबत

गर्मियों में बेल का शरबत बेहद फायदेमंद होता है। इसमें प्रोटीन, फॉस्फोरस, कार्बोहाइड्रेट, आयरन, कैल्शियम, फैट, फाइबर, विटामिन-सी होता है। इस शरबत को आप सुबह खाली पेट या फिर दोपहर में खाने के 2-3 घंटे बाद पी सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे बनता है बेल का शरबत...

सामग्री :

1 पका बेल
150 ग्राम शक्कर/गुड़
1 लीटर पानी
सेंधा नमक (स्वादानुसार)
½ टीस्पून भूना जीर पाउडर
¼ टीस्पून काली मिर्च पाउडर
2 टीस्पून नींबू का रस
4 नींबू स्लाइसेस
10-12 पूदीने की पत्तियां

विधि

बेल को अच्छे से धो लें और उसे तोड़ कर गूदा निकाल लें। गूदे को आधे लीटर पानी में करीब 1 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। 1 घंटे बाद मैशर से या फिर अपने हाथों से अच्छी तरह मैश करें। बीज और रेशा, जब गूदे से अलग हो जाएं तो उसे छानने वाली छलनी से छान लें। बचे हुए पानी में शक्कर या गुड़ घोलें और छाने हुए बेल के रस में मिलाकर सर्विंग जार में भर दें। इसके बाद शरबत में जीरा पाउडर, काली मिर्च पाउडर, सेंधा नमक और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। फिर पुदीने की पत्तियों को हाथों से मसलकर शरबत में डाल दें। बेल का शरबत तैयार है, अब इसे सर्विंग ग्लास में डालें और नींबू स्लाइसेस और अपनी इच्छा के अनुसार आइस क्यूबस डालकर ठंडा सर्व करें।

टिप्स

शरबत को आप मिक्सर या जूसर में भी बना सकते हैं, लेकिन मैशर अच्छा ऑप्शन है। शक्कर और गुड़ का इस्तेमाल कम से कम करें और छलनी के बजाय बीज और रेशे को निकालने के लिए हाथों का प्रयोग करें, ताकि शरबत गूदे वाला बने।

कभी-कभी बेशुमार प्यार के बाद भी इन 6 कारणों से हो जाते हैं ब्रेकअप

कभी-कभी बेशुमार प्यार के बाद भी इन 6 कारणों से हो जाते हैं ब्रेकअप बेशुमार प्यार, अनगिनत वादे, खुशनुमा यादें और कभी साथ न छोड़ने के वादे के बाद भी अचानक रिश्ते टूट जाते हैं। दिलों मेंमें दूरियां इतनी बढ़ जाती है कि फिर से एक होने की गुजाइंश नहीं बचती। ब्रेकअप होने की कई वजह होती हैं। हर रिश्ते को टूटने की कई कहानियां, कई वजहें होती हैं लेकिन फिर भी कुछ ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से सबसे ज्यादा रिश्ते टूटते हैं।

भरोसे की कमी या बार-बार धोखा देना रिश्तों में विश्वास हो तो वह कभी नहीं टूट सकता। रिश्तों में भरोसा ना होने पर रिश्ते अक्सर गलतफहमियों से टूट जाया करते हैं। वहीं कई बार ऐसा होता है कि एक पार्टनर आंखें बंद करके अपने पार्टनर पर यकीन करता है लेकिन दूसरा बार-बार उसके भरोसे को तोड़ता चला जाता है। प्यार में बंधे दो लोग एक दूसरे से बातें छुपाने लगते हैं तो यह विश्वास टूटने लगता है। छुपाई हुई बात चाहे छोटी हो या बड़ी यह अपने पार्टनर के प्रति आपके विश्वास को कम कर देती है। जो रिश्ता टूटने का सबसे बड़ा कारण होता है।

पार्टनर की फैमिली का ख्याल न रखना सभी के लिए अपनी फैमिली खास होती है। लेकिन अगर आप रिलेशनशिप में हैं, तो पार्टनर की फैमिली भी बहुत मैटर करती है। जब आप अपने पार्टनर के परिवार को जीतने में कामयाब रहेंगे, तो आपके रिश्तों को सफल होने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन यहां यह भी मायने रखता है कि आपके पार्टनर का परिवार आपको इज्जत देता है या नहीं। एक तरफा इज्जत या प्यार देने वाली चीजें कभी दूर तक नहीं चल सकती।

कम्युनिकेशन गैप

आजकल लोग अपने जीवन में इतने बिजी हो जाते हैं कि वह अपने पार्टनर के साथ समय ही नहीं व्यतीत कर पाते। जिससे रिश्तों के बीच कम्युनिकेशन गैप बढ़ता जाता है और धीरे धीरे यह इतना बढ़ जाता है कि रिश्तों में दरार पैदा हो जाती है। जिससे प्यार होने के बावजूद भी रिश्ते टूट जाया करते हैं।

फिजिकल डिस्टेन्स

यदि आपके और आपके पार्टनर के बीच फिजिकल रिलेशन अच्छे नहीं हैं यानि आप दोनों एक दूसर को पर्याप्त समय नहीं देते, तो रिश्तों को टूटने में ज्यादा समय नहीं लगता। एक प्यार को और मजबूत बनाने के लिए फिजिकल रिलेशन बेहद जरूरी होता है।

छोटी छोटी गलतियां निकालना

समय-समय पर अपने पार्टनर की तारीफ करने से रिश्तों में मिठास बढ़ती है लेकिन कुछ लोग अपने पार्टनर की कभी तारीफ ही नहीं करते बल्कि छोटी छोटी बातों पर उसकी गलतियों का अहसास कराते हैं। जिसके कारण एक समय के बाद आपका साथी इस रिश्ते में रहने से चिड़चिड़ापन महसूस करने लगते हैं।

ओवर रिएक्शन

आपका अपने पार्टनर से छोटी छोटी बातों पर बार बार रूठना रिश्तों के टूटने का बड़ा कारण बन जाता है। कई बार ड्रामे से तंग आकर व्यक्ति ब्रेकअप कर बैठता है इसलिए रिश्ते को बनाए रखने के लिए एक दूसरे से बार बार ना रूठें।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों के जीवन में इस सप्ताह स्वास्थ्य में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। साथ ही बिगड़े हुए रिश्तों में भी सुधार आएगा। इस सप्ताह प्रत्येक क्षेत्र में आपके नेतृत्व को सर्वत्र सराहा जाएगा, चाहे वह कार्यस्थल हो या परिवार। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सभी मानने को बाध्य होंगे।

वृषभ : वृषभ राशि के जातकों को इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाओं पर खर्च करने की स्थिति बनेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत रहने से खर्च में कमी नहीं करेंगे। सप्ताह में आपको पारिवारिक मूल्यों और पारिवारिक सदस्यों की जरूरतों पर खास ध्यान देना होगा। संतान पक्ष के कार्य उत्तम तरीके से संपन्न् होंगे।

मिथुन : इस सप्ताह मिथुन राशि के जातकों का अधिकांश वक्त परिवार के साथ ही बीतने वाला है। घर-परिवार में शुभ कार्य होंगे। युवाओं को अपनी ऊर्जा का सकारात्मक प्रयोग करते हुए कार्य करना है। नया बिजनेस प्रारंभ करने के लिए वक्त बेहतर है। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो अवश्य करें। सप्ताह में आर्थिक संपन्नता की ओर बढ़ेंगे।

कर्क : कर्क राशि के जातकों को अपने काम, परिवार और जीवन की अन्य बातों के बीच तालमेल बिठाकर चलना होगा। खासकर अपने स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें। काम की भागदौड़ में स्वास्थ्य की अनदेखी भारी पड़ सकती है। इस राशि के युवाओं को अपने प्रेम में पारदर्शिता रखनी होगी। नए लोगों से संपर्क बनेगा।

सिंह : इस सप्ताह आपका आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। जो भी कार्य करें उसमें खुद पर भरोसा रखना जरूरी होगा। आप जो भी कार्य करेंगे उसमें कोशिश करें कि परिवार के बुजुर्गों की सलाह लें। इससे आपकी आधी मुश्किलें हल हो जाएंगी। बड़ा निवेश करने की योजना बनेगी। खुद की सेहत के लिए वक्त निकालें।

कन्या : कन्या राशि के जातकों के लिए यह सप्ताह मिश्रित फलदायी रहने वाला है। कई कार्य बेहतर होंगे तो शरीरिक रूप से शिथिल महसूस करेंगे। परिवार में किसी से विवाद होने के कारण मानसिक कष्ट होगा। सिर और कमर दर्द से पीड़ित रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए समय अधिक मेहनत का रहेगा।

तुला : तुला राशि वालों को सप्ताह में एक-दो बार स्वजनों के क्रोध का सामना करना पड़ सकता है। आपके हाथ से कोई कार्य ऐसा बिगड़ेगा कि आप स्वयं पर क्रोध करने लगेंगे। नौकरीपेशा को सावधान रहना होगा। कोई अधीनस्थ आपके खिलाफ जा सकता है। बिजनेस में उतार-चढ़ाव कुछ हद तक थमेगा।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों का यह सप्ताह मेलजोल वाला रहेगा। कम लेकिन अच्छे और नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापारियों के लिए यह सप्ताह थोड़ा सा चुनौतीपूर्ण रहेगा। साझेदारी में चल रहे बिजनेस में विवाद होने का असर कारोबार पर पड़ेगा। नौकरीपेशा को विवादित स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

धनु : धनु राशि के लिए सप्ताह श्रेष्ठ रहेगा। आपकी भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने वाली है। पारिवारिक जीवन में विवादों का निपटारा होगा। पैतृक संपत्ति को लेकर परिजनों से चल रहे विवाद का निराकरण होता दिख रहा है। दूसरों की मदद करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। चिकित्सा और इंजीनियरिंग फील्ड से जुड़े लोगों को उपलब्धि हासिल होगी।

मकर : मकर राशि के जातकों को सप्ताह में भागदौड़ रहेगी। इसलिए अपनी सेहत और खानपान का विशेष ध्यान रखें। काम के चक्कर में सेहत से खिलवाड़ भारी पड़ सकता है। सप्ताह कार्यों को रफ्तार देने वाला रहेगा। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं वे इस सप्ताह पूरे हो जाएंगे। इससे मानसिक शांति महसूस करेंगे। आर्थिक लाभ का समय भी है।

कुंभ : कुंभ राशि के जातकों के प्रेम और दांपत्य जीवन के लिए यह सप्ताह बेहद सुखद साबित होने वाला है। जीवनसाथी से चल रहा मनमुटाव दूर होगा। प्रेमी-प्रेमिका का संबंध विवाह की ओर अग्रसर होगा और जो अविवाहित हैं उन्हें विवाह का प्रस्ताव प्राप्त होगा। कुंभ राशि के जातकों के करियर के लिहाज से सप्ताह बेहतर है।

मीन : मीन राशि के जातक शारीरिक और भावनात्मक रूप से मजबूत रहेंगे। पुराने रोगों से मुक्ति मिलेगी। सप्ताह में कार्य की अधिकता भी रहेगी, जिससे थकान का अनुभव करेंगे। पारिवारिक और सामाजिक जीवन में पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। कार्यस्थल पर उच्चाधिकारी आपके कार्य से प्रसन्न् रहेंगे।

चुटकुले

सोनू समोसे को खोलकर सिर्फ अंदर का मसाला ही खा रहा था।
मोनू- अरे! तू पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहा?
सोनू - अरे... मैं बीमार हूं ना,
डॉक्टर ने बाहर की चीजें खाने से मना किया है।

एक शराबी दूसरे से - भाई ये खुशियां क्या होती हैं?
दूसरा - पता नहीं भाई
मेरी तो कम उम्र में ही शादी हो गई थी

भाभी- तुम दारू क्यों पीते हो?
देवर- गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप हो गया इसलिए
भाभी- ब्रेकअप क्यों हुआ?
देवर - दारू पीती थी इसलिए

दिल्ली में अब खुलेंगी दुकानें... ऑड ईवन का होगा फॉर्मूला, सीएम केजरीवाल ने किया ऐलान

नई दिल्ली, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल कोविड-19 के मामले कम होने के मद्देनजर अगले हफ्ते से लॉकडाउन में और छूट दी गई है। सीएम केजरीवाल ने ऐलान किया है कि 7 जून से ऑड इवन की तर्ज पर दुकानें और मॉल खोले जाएंगे। केजरीवाल ने ऐलान किया है कि 50 फीसदी क्षमता के साथ मेट्रो शुरू की जाएगी। केजरीवाल ने कहा कि एक्सपर्ट्स ने कोरोना की तीसरी लहर का अनुमान जताया है। हमें इसकी भी तैयारी करनी है।

सीएम केजरीवाल का ऐलान

सीएम केजरीवाल ने ऐलान किया कि निजी दफ़्तर 50% क्षमता के साथ खोले जा सकते हैं। जरूरी सामान की दुकानें रोज खुलेंगी। दिल्ली मेट्रो 50% क्षमता के साथ शुरू की जा रही है। नई गाइडलाइंस के अनुसार सरकारी दफ़्तरों में ग्रुप ए ऑफिसर 100% और बाकी इसके नीचे वाले 50% ऑफिसर काम करेंगे। जरूरी सेवाओं में 100% कर्मचारी काम करेंगे। अर्थव्यवस्था भी जरूरी अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाना जरूरी है। पिछले हफ्ते फैक्ट्री और कंस्ट्रक्शन एक्टिविटी खोली थी। पिछले 24 घंटे में करीब 400 केस और 0.5 प्रतिशत संक्रमण दर है। सोमवार सुबह 5 बजे से काफी एक्टिविटी में रियायत दे रहे हैं। जितने बाजार, मॉल्स को ऑड-ईवन के आधार पर खुलेंगी। सुबह 10 बजे से शाम 8 बजे तक। दुकान नंबर के हिसाब से खुलेंगी। जितने सरकारी दफ्तर हैं, उनमें ग्रुप ए अधिकारी 100 प्रतिशत काम करेंगे, उसके नीचे वाले 50 प्रतिशत काम करेंगे. जरूरी सेवाओं से जुड़े सरकारी कर्मचारी 100 प्रतिशत काम करेंगे। तीसरी वेव की तैयारी में दिल्ली सरकारकेजरीवाल ने कहा कि अगर तीसरी वेव आती है तो सरकार इसके लिए तैयार है। कल करीब 6 घंटे तक दो अलग मीटिंग में हिस्सा लिया। एक्सपर्ट के साथ बात की। इस बार कोरोना की जो पीक आई लगभग 28 हजार केस 22 या 23 अप्रैल के आसपास आई। अगली पीक कितनी हो सकती है। अगली पीक 37 हजार हो सकती है। इसे मानकर तैयारी शुरू की. इससे ज्यादा केस आए, उसके लिए भी तैयार हैं। अगर 37 हजार की तैयारी है, तो उससे ज्यादा केस आने पर भी तैयार होंगे।

37 हजार प्रतिदिन केस के हिसाब से तैयारी सीएम केजरीवाल ने कहा कि 37 हजार की पीक आती है तो कितने आईसीयू, कितने ऑक्सिजन, बेड और दवाइयों की जरूरत पड़ेगी। उस पीरियड की टास्क फोर्स बना रहे हैं। बच्चों पर भी ध्यान रखना है। उन्हें अलग किस्म के मास्क और ऑक्सिजन होंगे। इसके लिए टास्क फोर्स बना दी है, जो अलग से तैयारी कर रिपोर्ट देगी।

ऑक्सिजन की काफी कमी हुई, अंत में सुप्रीम कोर्ट के दखल देने से केंद्र सरकार के सहयोग से ऑक्सिजन मिली। 420 टन ऑक्सिजन की स्टोरेज कैपेसिटी कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिए दिल्ली सरकार पहले से ही तैयारियों में जुटी हुई है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि 420 टन ऑक्सिजन की स्टोरेज कैपेसिटी तैयार करनी है। इंद्रप्रस्थ ऑक्सिजन से कहा है कि 18 महीने में 150 टन ऑक्सिजन बनाने का प्लान बनाएंगे। ऑक्सिजन टैंकर की परेशानी आई। 25 टैंकर खरीदे जा रहे हैं। 64 छोटे ऑक्सिजन प्लांट्स लगाए जा रहे हैं। 1-2 महीनों में यह तैयार हो जाएंगे। 37 हजार केस की पीक के आधार पर तैयार होगा कि कितने ऑक्सिजन सिलिंडर की जरूरत होगी।

सुप्रीम कोर्ट की बिहार सरकार को फटकार, कहा- फायरिंग में मारे गए युवक के पिता को जल्द मिले 10 लाख का मुआवजा

पटना, सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार को पिछले साल हुए मुंगेर गोलीकांड में मारे गए युवक अनुराग पोद्दार के पिता को 10 लाख का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सर्वोच्च अदालत ने पटना हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए ये बात कही है। साथ ही हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद मुआवजे का भुगतान नहीं किए जाने पर प्रदेश सरकार को फटकार लगाई, साथ ही उनकी याचिका भी खारिज कर दी। सर्वोच्च अदालत ने पूरे मामले में क्या कहा जानिए

जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने हाईकोर्ट की ओर से दिए गए मुआवजे के फैसले पर प्रदेश सरकार के रवैये की आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि मामले में जिस तरह से जांच की गई वह चौंकाने वाला है और घटना में तत्कालीन पुलिस अधीक्षक की भूमिका पर सवाल उठाए गए। हाईकोर्ट की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए पीठ ने कहा कि पुलिस अधिकारी सत्ताधारी दल के एक राजनेता के रिश्तेदार हैं। साथ ही पुलिस मामले में उचित और समय पर जांच करने में विफल रही। कोर्ट ने बिहार सरकार की याचिका को किया खारिज

दूसरी ओर, बिहार सरकार की ओर से पेश हुए अधिवक्ता मनीष कुमार ने पीठ से कहा कि मामले में अभी जांच चल रही है, ऐसे में मुआवजे के आदेश पर फिलहाल रोक लगा दी जानी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि जांच पूरी होने तक पुलिस की गलती थी ये नहीं कहा जा सकता। हालांकि, पीठ ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि निष्पक्ष जांच में पुलिस की ओर से लापरवाही हुई है और उस लापरवाही के लिए मुआवजा दिया जा सकता है। निष्पक्ष जांच पीड़ित और उनके परिवार के सदस्यों के मौलिक अधिकारों का हिस्सा है। SC ने कहा- फायरिंग मामले में समय पर जांच क्यों नहीं की गई

कोर्ट ने कहा कि यह चौंकाने वाला है। मुंगेर पुलिस की ओर से फायरिंग मामले में समय पर जांच क्यों नहीं की गई? इसमें प्राथमिकी दर्ज करने में देरी क्यों हुई? हाईकोर्ट के निष्कर्ष के मुताबिक, तत्कालीन एसपी सत्तारूढ़ दल के एक राजनेता की रिश्तेदार थीं, जिसकी वजह से मामले की जांच पर असर पड़ा। जानिए क्या है पूरा मामला

ध्यान रहे कि 26 अक्टूबर, 2020 को मुंगेर में मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान गोलीबारी और पथराव में एक युवक (अनुराग पोद्दार) की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे। पटना हाईकोर्ट ने 7 अप्रैल को मृतक युवक अनुराग पोद्दार के पिता अमरनाथ पोद्दार की ओर से दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए अहम निर्देश दिए थे। इसमें कोर्ट ने मामले की जांच CID से करवाने का निर्देश दिया था। साथ ही पीड़ित परिवार को मुआवजे के रूप में 10 लाख रुपये देने का आदेश दिया था।

देश में 58 दिन में सबसे कम कोरोना केस, 24 घंटे में 1.20 लाख नए मामले, 3380 मौत

नई दिल्ली, भारत में करीब दो महीनों में कोविड-19 के एक दिन में सबसे कम 1,20,529 नए मामले आए और इसके साथ ही संक्रमण के कुल मामले 2,86,94,879 पर पहुंच गए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार, इस संक्रामक रोग से 3,380 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की कुल संख्या 3,44,082 हो गयी है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या लगातार पांचवें दिन 20 लाख से कम रही। मंत्रालय ने बताया कि रोज आने वाले संक्रमण के नए मामले 58 दिनों में सबसे कम हैं। मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को कोविड-19 के लिए 20,84,421 नमूनों की जांच की गई जिससे देश में अभी तक की गई कुल जांच की संख्या 36,11,74,142 हो गयी है। संक्रमण की दैनिक दर गिरकर 5.78 प्रतिशत हो गयी है जो लगातार 12वें दिन 10 प्रतिशत से कम है। साप्ताहिक संक्रमण दर भी कम होकर 6.89 प्रतिशत रह गयी है। आंकड़ों के मुताबिक, उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 15,55,248 रह गयी है जो संक्रमण के कुल मामलों का 5.73 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर 93.08 प्रतिशत है। स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या लगातार 23वें दिन संक्रमण के रोज आने वाले नए मामलों से अधिक है। आंकड़ों के मुताबिक, इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,67,95,549 हो गयी है जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितम्बर को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

मोदी सरकार की ट्विटर को आखिरी चेतावनी: नए आईटी नियम लागू करें, वरना अंजाम भुगतने को रहें तैयार

नए आईटी नियमों को लेकर केंद्र सरकार और सोशल मीडिया की दिग्गज कंपनी ट्ववविटर के बीच विवाद छिड़ा हुआ है। मगर इस बार केंद्र सरकार ने ट्विटर को आखिरी चेतावनी दी है और कहा कि नए आईटी नियमों को मान लें और लागू करें, वरना अंजाम भुगतने को तैयार रहें। सरकार की ओर से जारी फाइनल नोटिस में कहा गया है कि नए आईटी नियमों के अनुपालन में विफल रहने पर ट्विटर आईटी कानून के तहत दायित्व से छूट गंवा देगी। दरअसल, सरकार ने ट्विटर इंडिया को नए आईटी नियमों का पालन करने के लिए फाइनल नोटिस जारी किया है। सरकार ने कहा कि ट्विटर इंडिया को नए नियमों का तुरंत पालन करने के लिए एक अंतिम नोटिस दिया गया है, जिसके विफल होने पर आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 79 के तहत उपलब्ध दायित्व से छूट गंवा देगी और ट्विटर आईटी अधिनियम और भारत के अन्य दंड कानून के अनुसार परिणामों के लिए उत्तरदायी होगा। इतना ही नहीं, सरकार ने ट्विटर से अनुपालन अधिकारी के अलावा कंपनी के एक कर्मचारी को शिकायत अधिकारी और नोडल संपर्क कर्मी नियुक्त करने को कहा है।

बंगाल में पिक्चर अभी बाकी है? TMC छोड़ बीजेपी में आए मुकुल रॉय के बेटे ने ममता बनर्जी का किया शुक्रिया अदा, बोले- सियासत में कुछ भी संभव है

तो क्या पश्चिम बंगाल में पिक्चर अभी बाकी है? सवाल इसलिए उठ रहे हैं क्योंकि राज्य विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (TMC) छोड़ बीजेपी में आए मुकुल रॉय के बेटे और बीजेपी नेता शुभ्रांशु रॉय ने अब ममता बनर्जी का शुक्रिया अदा किया है और कहा है कि राजनीति में कुछ भी संभव है। दरअसल शुभ्रांशु रॉय की मां कृष्णा रॉय Covid-19 से संक्रमित हैं और उनका इलाज कोलकाता के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। इतना ही नहीं खुद मुकुल रॉय भी कोरोना से संक्रमित हैं और धीरे-धीरे वो इस संक्रमण से उबर रहे हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी की युवा ईकाई के अध्यक्ष अभिषेक बनर्जी ने अस्पताल जाकर शुभ्रांशु रॉय की मां का हालचाल लिया था। जिसके बाद राजनीतिक विश्लेषक इस मुलाकात के कई मायने निकाल रहे थे। अब शुभ्रांशु रॉय ने ममता बनर्जी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा है कि वो जरुरत के वक्त उनके परिवार तक पहुंची थीं। शुभ्रांशु रॉय ने कहा है कि 'मैं आभारी हूं कि ममता बनर्जी ने विभिन्न तरीकों से मेरे पिताजी का हालचाल जाना। उनका परिवार जरुरत के समय हमारे साथ है।' 'News 18 बांगला' से बातचीत में शुभ्रांशु रॉय ने कहा कि पश्चिम बंगाल बंटवारे की सियासत को कबूल नहीं करता है। मैं समझता हूं कि राजनीति में कुछ भी संभव है।' उन्होंने अभिषेक बनर्जी का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि 'सीएम के भतीजे ने कोलकाता के अपोलो अस्पताल का दौरा किया, जहां कृष्णा रॉय का इलाज चल रहा है। अभिषेक मेरी मां की सेहत की जानकारी लगातार 2 हफ्तों से ले रहे हैं। एक विपक्षी पार्टी से होने के बावजूद वो मेरी मां को देखने के लिए आए थे, मैं उनका आभारी हूं। बता दें कि हाल के विधानसभा चुनावों में जहां मुकुल रॉय ने नदिया जिले की कृष्णानगर उत्तर सीट जीती थी तो वहीं उनके बेटे को उत्तर 24 परगना जिले की बीजपुर सीट से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत की सबसे सस्ती वैक्सीन हो सकती है कोरबेवैक्स, 2 डोज की कीमत 500 रुपए

पहले कोरोना वायरस का कहर और फिर ऑक्सीजन, दवाएं और वैक्सीन की किल्लत ने देशभर की नाक में दम किया। इस सब के बीच एक राहत की खबर आ रही है। भारत में जल्द ही अब तक की सबसे सस्ती कोरोना वैक्सीन लॉन्च होने वाली है। दरअसल भारत की कंपनी बायोलॉजिकल-ई ने कोरबेवैक्स (Corbevax) नाम की कोरोना वैक्सीन को तैयार किया है। फिलहाल इस वैक्सीन के तीसरे फेज का ट्रायल चल रहा है। ट्रायल के फाइनल नतीजे आने के बाद इसके इंमरजेंसी अप्रूवल के लिए अप्लाई किया जाएगा। यदि इसे इमरजेंसी अप्रूवल मिलता है तो इसके एक नहीं बल्की दो डोज की कीमत महज 500 रुपये होगी। ये कीमत 400 से कम भी हो सकती है। बायोलॉजिकल ई की प्रबंध निदेशक महिमा दतला ने टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक खास इंटरव्यू में ये जानकारी दी। हालांकि उन्होंने कहा कि कीमतों पर आखिरी फैसला अभी बाकी है। भारत में वैक्सीन की कीमतें भारत में इस वक्त तीन वैक्सीन लगाई जा रही है। सीरम इंस्टीट्यूट ने वैक्सीन कोविशील्ड की कीमत राज्य सरकारों के लिए 300 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों के लिए 600 रुपये प्रति खुराक रखी है, जबकि भारत बायोटेक के कोवैक्सिन की कीमतें 400 रुपये और 1,200 रुपये हैं। इसके अलावा डॉ रेड्डीज लैबोरेट्रीज द्वारा रूसी वैक्सीन स्पुतनिक वी की कीमत 995 रुपये प्रति डोज रखी गई है और यह केवल राज्य और निजी अस्पतालों के लिए उपलब्ध होगी।

30 करोड़ वैक्सीन के लिए केंद्र ने की डील हालांकि तीसरे चरण का ट्रायल अभी जारी है लेकिन भारत सरकार ने हैदराबाद की इस कंपनी के साथ अभी से 30 करोड़ वैक्सीन की डोज के लिए डील कर ली है। बता दें कि किसी भी वैक्सीन के लिए तीसरे फेज का ट्रायल बेहद अहम होता है। इस फेज में हजारों की संख्या में वॉलेंटियर को अलग-अलग शहरों और देशों में वैक्सीन लगाई जाती है।

रेलवे भर्ती 2021 · 10वीं पास के लिए बिना परीक्षा 3322 भर्तियां, 10वीं के मार्क्स से होगा चयन

दक्षिण रेलवे ने ट्रेड अप्रेंटाइस की कुल 3322 वैकेंसी निकाली है। ये नियुक्तियां फिटर, वेल्डर, पेंटर समेत विभिन्न ट्रेड्स के लिए की जाएंगी। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून 2021 है। अप्रेंटाइस की इस भर्ती के लिए कोई परीक्षा और इंटरव्यू नहीं होगा। ये भर्ती 10वीं कक्षा व आईटीआई कोर्स में प्राप्त मार्क्स के आधार पर होगी। दोनों के मार्क्स को बराबर वेटेज दिया जाएगा। इन मार्क्स के आधार पर एक मेरिट बनेगी। इसी मेरिट के आधार पर उम्मीदवारों का चयन होगा। इच्छुक उम्मीदवार www.sr.indianrailways.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन करें। ध्यान रहे इस भर्ती के लिए डिप्लोमा व डिग्री प्राप्त अभ्यर्थी आवेदन नहीं कर सकते। फिटर, पेंटर, वेल्डर, मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन (रेडियोलॉजी, पाथोलॉजी, कार्डियोलॉजी) कैटेगरी में अप्रेंटाइसशिप के लिए सिर्फ 10वीं - 12वीं पास भी आवेदन कर सकते हैं।

योग्यता :

फ्रेशर्स के लिए

फिटर, पेंटर, वेल्डर- कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ 10वीं की परीक्षा पास।

मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन (रेडियोलॉजी, पाथोलॉजी, कार्डियोलॉजी) - कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा पास। 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट, बायोलॉजी विषय होना जरूरी।

Ex-ITI उम्मीदवारों के लिए (सभी पदों के लिए)

मान्यता प्राप्त संस्थान या बोर्ड से कम से कम 50 फीसदी अंकों के साथ 10वीं की परीक्षा पास। एवं संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट (NCVT से मन्यता प्राप्त) प्राप्त होना चाहिए।

आयु सीमा

- न्यूनतम आयु सीमा 15 वर्ष है। फ्रेशर्स के लिए अधिकतम आयु सीमा 22 वर्ष और Ex-ITI कैटेगरी के लिए 24 वर्ष है।

- अधिकतम आयु सीमा में ओबीसी वर्ग के लिए तीन वर्ष, एससी/एसटी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए पांच वर्ष और दिव्यांगों को दस वर्ष की छूट दी जाएगी।

स्टाइपेंड : नियमानुसार दिया जाएगा।

चयन (सब कैटेगरी के नंबरों के 200 अंकों में कन्वर्ट किया जाएगा)

फ्रेशर्स कैटेगरी - 10वीं के मार्क्स के 200 अंकों में कन्वर्ट किया जाएगा।

Ex-ITI कैटेगरी - 10वीं के मार्क्स को 100 नंबर और ITI के मार्क्स को 100 नंबर में कन्वर्ट किया जाएगा। कुल 200 में से नंबर आ जाएंगे।

मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नीशियन- 12वीं (फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी) में प्राप्त अंकों को 200 अंकों में कन्वर्ट किया जाएगा।

तीन कैटेगरी के अंक 200 अंकों में कन्वर्ट करने के बाद ज्यादा मार्क्स वालों को मेरिट में ऊपर रखा जाएगा। यही मेरिट चयन का आधार बनेगी।

आवेदन फीस - सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों को 100 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। जबकि एससी, एसटी और महिला उम्मीदवारों को कोई शुल्क नहीं देना है। कुछ ट्रेड के लिए प्रशिक्षण की अवधि एक वर्ष तय की गई है तो कुछ के लिए दो वर्ष की गई है। ट्रेनिंग खत्म होने के बाद किसी भी ट्रेनी को किसी भी रोजगार के प्रस्ताव के लिए नियोक्ता बाध्य नहीं होगा और न ही ट्रेनी नियोक्ता द्वारा प्रस्तावित किसी भी रोजगार को स्वीकार करने के लिए बाध्य होगा।

दरभंगा एयरपोर्ट-पांच जुलाई से उड़ान भरेंगे इंडिगों के विमान, इन शहरों के लिए शुरु हुई बुकिंग

दरभंगा एयरपोर्ट चालू होने से दरभंगा सहित मिथिला के लोगों के लिए दूर की यात्रा सुगम हो गई है। एयरपोर्ट से अब तक केवल स्पाइसजेट के विमान ही उड़ान भर रहे थे लेकिन अब पांच जुलाई से इंडिगों की फ्लाइट्स भी टेकऑफ करती हुई दिखेंगी। इससे लोगों में उत्साह नजर आ रहा है। इंडिगो एयरलाइंस ने कोलकाता और हैदराबाद के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। पांच जुलाई से इंडिगों के विमान भरेंगे उड़ान

बिहार सरकार में मंत्री और जेडीयू नेता संजय कुमार झा ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, 'बड़ी खुशखबरी, दरभंगा एयरपोर्ट से इंडिगों की उड़ान भी 5 जुलाई से शुरू होगी। कोलकाता और हैदराबाद के लिए बुकिंग शुरू। दरभंगा एयरपोर्ट से कई विमानन कंपनियों की सेवा शुरू होने पर नए शहरों से मिथिला को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी, प्रतिस्पर्धा बढ़ने से किराए में भी कमी आएगी।' किराए मे हो सकती है कमी जानकारों का मानना है कि अब टिकट की दरों में भी कमी आ सकती है। पहले यहां केवल एक एयरलाइन की सेवा उपलब्ध थी। इसकी वजह से लोगों के पास उससे यात्रा करने का विकल्प थी। मगर इंडिगो की सेवा शुरू होने से कॉम्पिटिशन का दौर शुरु हो सकता है। जिसका सीधा फायदा यात्रियों को मिलेगा।

डु प्लेसिस को विराट कोहली और सरफराज अहमद की कप्तानी में दिखी ये समानता, धोनी से भी कर दी तुलना

नई दिल्ली, दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज सरफराज अहमद के कप्तानी की तुलना विराट कोहली से की है। 36 वर्षीय डु प्लेसिस आईपीएल 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेलते हुए नजर आए थे। डु प्लेसिस पाकिस्तान सुपर लीग (P S L) के छठे एडिशन में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की ओर से खेलते हुए नजर आएंगे। पीएसएल के दूसरे चरण का आयोजन 9 जून से यूएई में होगा। सरफराज (Sarfaraz Ahmed) पीएसएल (P S L) में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की अगुआई करेंगे। डु प्लेसिस (Faf du Plessis) का कहना है कि सरफराज की लीडरशिप स्टाइल विराट कोहली की तरह है। दोनों कप्तानी के दौरान आक्रामक दिखाई देते हैं। क्रिकेट पाकिस्तान से बातचीत में डु प्लेसिस ने कहा, ' वे (सरफराज और एमएस धोनी)

- सरफराज अहमद को खराब प्रदर्शन की वजह से कप्तानी से हटा दिया गया था
- डु प्लेसिस ने सरफराज और कोहली की कप्तानी को लेकर कही ये बात
- टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी लीडरशिप को बताया अलग

पूरी तरह से अलग हैं। एमएस काफी हद तक रिजर्व हैं। वह मैदान पर ज्यादातर चीजें काफी सहजता से करते हैं। सरफराज उनके उलट हैं और लगभग विराट (कोहली) की तरह हैं जो हमेशा अपने खिलाड़ियों और गेंदबाजों से बात करते हैं। वह हमेशा अपनी टीम की कप्तानी को लेकर जूनुनी रहते हैं और इसे दिखाते हैं। उनकी दो अलग अलग शैलियां हैं।' सरफराज काफी समय तक पाकिस्तान के कप्तान रहे हैं। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रोफी जीता है। बकौल डु प्लेसिस, ' सरफराज पूर्व में पाकिस्तान के कप्तान रहे हैं और उन्होंने अपने खिलाड़ियों से बेस्ट प्रदर्शन कराए हैं। यह अच्छा है क्योंकि मुझे हमेशा अलग अलग कप्तानों की कप्तानी में खेलना पसंद है।' पीएसएल का फाइनल 24 जून को पीएसएल का फाइनल 24 जून को खेला जाएगा। इस टी20 लीग के 14 मैच पाकिस्तान में खेले जा चुके हैं लेकिन कुछ खिलाड़ियों और अधिकारियों के कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद चार मार्च को इसे स्थगित कर दिया गया था।

युजवेंद्र चहल ने कहा, आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से चाहता हूं खेलना

टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल का इंटरनेशनल करियर काफी उतार चढ़ाव वाला रहा है। आईपीएल 2021 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की तरफ से खेलने वाले चहल ने कहा कि वो आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलना चाहते हैं। गौरतलब है कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी सीएसके की अगुवाई करते हैं।

चहल भारत की तरफ से लिमिटेड ओवर के मैच में अक्सर खेलते हैं। 54 वनडे में उनके नाम 92 विकेट हैं और 48 टी20 इंटरनेशनल में उनके नाम 62 विकेट हैं। आईपीएल की बात करें तो उन्होंने 106 मैचों में 125 विकेट लिए हैं। 30 साल के चहल ने मुंबई इंडियंस की तरफ से अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो विराट कोहली की अगुवाई वाली आरसीबी की तरफ से खेलने लगे। चहल ने आरसीबी को कई मैच जिताए हैं। आईपीएल 2021 में हालांकि वो कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए। आईपीएल 2021 के स्थगित होने से पहले उन्होंने आईपीएल 14 में 4 विकेट लिए थे। आईपीएल के बाकी 31 मैच सिंतबर अक्टूबर की विंडो में यूएई में खेले जाएंगे। क्रिकटैकर के साथ इंटरव्यू में जब चहल से पूछा गया कि वो आईपीएल में आरसीबी की जगह कौन सी टीम में खेलना पसंद करेंगे तो उन्होंने जवाब में कहा कि वो चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलना चाहेंगे। 2011 में मुंबई इंडियंस से जुड़ने के बाद साल 2013 में उन्होंने आईपीएल में डेब्यू किया। साल 2014 में उन्हें आरसीबी ने खरीदा। पिछले 8 सीजन में उन्होंने आरसीबी की तरफ हर सीजन में कम से कम 13 मैच खेले हैं।

पीसीबी चेयरमैन एहसान मनी का दावा, यूएई में होगा T20 वर्ल्ड कप का आयोजन

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन एहसान मनी ने आगामी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि टी20 वर्ल्ड कप इस साल भारत की जगह यूएई में खेला जाएगा। आईपीएल के बायो बबल में कोरोना के केस सामने आने के बाद आईपीएल 2021 को स्थगित कर दिया गया। आईपीएल 14 के बाकी मैच अब सितंबर-अक्टूबर की विंडो में यूएई में कराए जाएंगे। भारत में कोविड 19 से पैदा हुए हालात के बाद टी20 वर्ल्ड कप के आयोजन पर खतरा मंडरा रहा है लेकिन इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। आईसीसी ने बीसीसीआई को टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए 28 जून तक का समय दिया है। बीसीसीआई ने हाल ही में हुई एसजीएम की मीटिंग में आईसीसी से टी20 वर्ल्ड कप की मेजबानी पर फैसला लेने के लिए और वक्त मांगा था, जिसे स्वीकार कर लिया गया था। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने पहले ही कह चुके हैं तो अगर साल के अंत तक कोविड 19 की स्थिति में सुधार होता है तो भारत इसकी मेजबानी करेगा,

वरना यूएई दूसरा विकल्प है।

रमीज राजा ने बताई पाकिस्तान क्रिकेट की सबसे बड़ी कमी,कहा- सोच और लॉजिक समझ से परे

पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर जमकर बरसे हैं। रमीज ने पीसीबी द्वारा इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के लिए चुनी गई टीम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान टीम का सिलेक्शन उनकी समझ से परे हैं। रमीज ने कहा कि सिलेक्टर भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई अनकैप्ड खिलाड़ियों को टीम में शामिल करते हैं पर उनको एक भी मैच खेलने के लिए नहीं दिया जाता है। पीसीबी ने शुक्रवार को इंग्लैंड और वेस्टइंडीज दौरे के लिए तीनों फॉर्मेट की टीम का ऐलान किया, जिसमें पूर्व क्रिकेटर मोईन खान के बेटे आजम खान को टी-20 टीम में जगह दी गई है। अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए रमीज राजा ने कहा, 'मुझे अभी भी पाकिस्तन क्रिकेट के खिलाड़ियों की स्लॉटिंग और सिलेक्शन समझ नहीं आ रहा है। और वजह यह है कि आप एक टीम का ऐलान करते हैं और उसमें कई अनकैप्ड प्लेयर्स को शामिल करते हैं जिसके लिए तारीफ की जाती है क्योंकि आपका ध्यान भविष्य पर है। और उसके बाद आप उनको खिलाते ही नहीं हैं। यह उसी तरह है जैसे एक दूल्हे को सजाकर ले जाना और उसकी बिना शादी करें वापस ले आना। उसके बाद आप अचानक पीछे छूटे खिलाड़ियों की तरफ देखते हैं। उनको ना सिर्फ टीम में वापसी होती है, बल्कि वह मैच भी खेलते हैं। उन प्लेयर्स को अनकैप्ड खिलाड़ियों के ऊपर तरजीह दी जाती है।' 36 साल की उम्र में टेस्ट डेब्यू करने वाले ताबिश खान को लेकर रमीज राजा ने कहा, 'उसके बाद, आप स्लॉटिंग के अनुसार आप सलमान अली जैसे खिलाड़ी को टेस्ट टीम में जगह देते हैं और अगली बार उन्हें वनडे टीम में खिलाते हैं। तो क्या पहला वाला सिलेक्शन सही नहीं था या फिर यह वाला। आप खिलाड़ी की काबिलियत से परिचित नहीं हैं। आप 36 साल या 38 साल के प्लेयर (ताबिश खान) को डेब्यू कराते हैं जिम्बाब्वे जैसी टीम के खिलाफ, लेकिन आप 22 साल के खिलाड़ी को मौका नहीं देते हैं। मेरा मतलब है कि मैंने ऐसा होता हुआ विश्व में कही नहीं देखा है। और आप उसके बाद उनको भी फ्री कर देते हैं।

टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ पाकिस्तान की कार्रवाई से FATF नाखुश, जारी रहेगी निगरानी

टेरर फंडिंग के मामले में पाकिस्तान की मुश्किलें अभी कम होने वाली नहीं हैं। फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की क्षेत्रीय संस्था एशिया पैसिफिक ग्रुप ने पाकिस्तान को निगरानी सूची में बरकरार रखा है। देश के फाइनेंसियस सिस्टम को टेरर फंडिंग और मनी लॉन्ड्रिंग जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उपयोग करने पर पाकिस्तान को FATF ने जून 2018 में ग्रे लिस्ट में डाल दिया था। इसके बाद से ही पाकिस्तान इस सूची से बाहर आने के लिए संघर्ष कर रहा है। ग्लोबल टेरर फाइनेंसिंग वॉचडॉग, एफएटीफ ने इस साल फरवरी के महीने में पाकिस्तान को जून तक ग्रे लिस्ट में डाला था। दरअसल अपनी जांच-पड़ताल में एफएटीएफ ने यह पाया था कि पाकिस्तान मजबूती से मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ लड़ पाने में असक्षम रहा है तथा जो 27 एक्शन प्लान पाकिस्तान को बताए गए थे उसका भी सही तरीके से अनुपालन नहीं हो सका था। इसके अलावा एशिया पैसिफिक ग्रुप ने पाकिस्तान को लेकर सेकेंड फॉलो-अप रिपोर्ट (FUR) भी जारी की है। यह रिपोर्ट आपसी मूल्यांकन पर आधारित है। इस रिपोर्ट में भी पाकिस्तान जरुरी मापदंडों पर खरा नहीं उतरा है। पाकिस्तान आधारित अखबार 'डॉन' ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया है कि अब पाकिस्तान एफएटीएफ की सात सिफारिशों को पूरा कर चुका है और 24 अन्य सिफारिशों का अनुपालन कर रहा है। पाकिस्तान अब कुल 40 सिफारिशों में से 31 का अनुपालन कर रहा है। पाकिस्तान ने इस संबंध में जो रिपोर्ट सौंपी थी उसके मूल्यांकन करने की अंतिम तारीख 1 अक्टूबर, 2020 थी। इसका मतलब यह है कि इस्लामाबाद को आगे अभी और भी बेहतर करना होगा तब बड़े स्तर पर मूल्यांकन हो सकेगा। एपीजी की तरफ से साफ किया गया है कि 'पाकिस्तान को मनी लॉन्ड्रिंग और टेरर फंडिंग के खिलाफ और भी ज्यादा ताकत से काम कर अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी तथा उसे लगातार एपीजी को इस संबंध में किये गये अपने कार्यों की प्रोग्रेस रिपोर्ट देनी होगी। यहां आपको बता दें कि पाकिस्तान ने अपनी तीसरी रिपोर्ट फरवरी 2021 में सौंपी थी, जिसका मूल्यांकन किया जाना अभी बाकी है।

WHO का दावा, दुनियाभर में कोविड-19 के 60% टीके चीन, अमेरिका और भारत को मिले

विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक वरिष्ठ सलाहकार ने कहा कि अब तक विश्व भर में वितरित किए गए कोविड-19 रोधी दो अरब टीकों में से करीब 60 प्रतिशत टीके महज तीन देशों चीन, अमेरिका और भारत को मिले हैं। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक टेड्रोस अदहानोम गेब्रेयेसस के वरिष्ठ सलाहकार ब्रुस एलीवर्ड ने शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा, "इस हफ्ते हमें दो अरब से अधिक टीके मिलेंगे...हम टीकों की संख्या और नए कोविड-19 रोधी टीकों के लिहाज से उल्लेखनीय दो अरब टीकों का आंकड़ा पार कर लेंगे। इन्हें 212 से अधिक देशों में वितरित किया गया है। उन्होंने कहा, "अगर हम दो अरब टीकों की तरफ देखें तो 75 प्रतिशत से अधिक खुराक महज 10 देशों को मिली है। यहां तक कि 60 फीसदी टीके तीन देशों चीन, अमेरिका तथा भारत को मिले हैं।

एलीवर्ड ने कहा कि कोवैक्स ने कोविड-19 रोधी टीके 127 देशों में वितरित करने और कई देशों में टीकाकरण अभियान शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि दो अरब टीकों में से चीन, भारत और अमेरिका को मिली 60 प्रतिशत खुराकों को "घरेलू रूप से खरीदा और इस्तेमाल किया गया। एलीवर्ड ने कहा कि केवल 0.5 प्रतिशत टीके कम आय वाले देशों को गए जो दुनिया की आबादी का 10 प्रतिशत हैं।

उन्होंने कहा, "अब दिक्कत यह है कि टीकों की आपूर्ति बाधित हो रही हैं। भारत तथा अन्य देशों में दिक्कतों के कारण बाधाएं हो रही है तथा इस खाई को भरने में मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा, "हमें उम्मीद है कि सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कम से कम चौथी तिमाही में फिर से टीकों की आपूर्ति शुरू करें। दुनिया का सबसे बड़ा टीका निर्माता एसआईआई कोवैक्स को एस्ट्राजेनेका टीकों की आपूर्ति करने वाला अहम संस्थान है। भारत में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण कोवैक्स को टीकों की आपूर्ति बाधित हो गयी है।

UAE की जेल में था हत्या का दोषी भारतीय नागिरक, NRI कारोबारी ने एक करोड़ रुपए देकर कराया रिहा

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में 2012 में एक सड़क हादसे में एक सूडानी लड़के की हत्या के दोषी को प्रवासी कारोबारी एम ए यूसुफ अली ने एक करोड़ रुपये मुआवजा देकर उसे जेल से रिहा करा लिया। केरल के रहने वाले 45 वर्षीय बेक्स कृष्णन ने सितंबर 2012 में लापरवाही से कार चलाते हुए बच्चों के एक समूह को टक्कर मार दी थी। कृष्णन को एक सूडानी लड़के की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद यूएई की सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा दी थी।

इसके बाद से कृष्णन के परिजन और मित्र उसे रिहा कराने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाए, क्योंकि पीड़ित का परिवार अपने देश सूडान लौट चुका है, जिसके कारण वे उन्हें माफी देने के लिए नहीं मना पाए। इसके बाद कृष्णन के परिवार ने लुलु समूह के अध्यक्ष यूसुफ अली से संपर्क किया, जिन्होंने मामले की सारी जानकारी हासिल की और सभी पक्षकारों के बात की। लुलु समूह ने एक बयान में बताया कि पीड़ित का परिवार जनवरी 2021 में कृष्णन को माफी देने के लिए अंततः तैयार हो गया। इसके बाद यूसुफ अली ने कृष्णन की रिहाई के लिए अदालत में पांच लाख दिरहम (करीब एक करोड़ रुपए) मुआवजा दिया।

यह मेरे लिए पुनर्जन्म : कृष्णन

एक बयान में कृष्णन के हवाले से कहा गया कि यह मेरे लिए पुनर्जन्म है, क्योंकि मैंने बाहर की दुनिया देखने और आजाद जीवन जीने की सभी उम्मीदें छोड़ दी थीं। अब मेरी एकमात्र इच्छा अपने परिवार से मिलने जाने से पहले यूसुफ अली से मुलाकात करने की है। यूसुफ अली ने कृष्णन की रिहाई के लिए ईश्वर और संयुक्त अरब अमीरात के दूरदर्शी शासकों की उदारता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कृष्णन के खुशहाल एवं शांतिपूर्ण जीवन की कामना की।

अफगानिस्तान-पाक के सीमाई क्षेत्र में छिपे हैं अलकायदा के कट्टर आतंकी, रिपोर्ट में दावा

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी संगठन अलकायदा के अधिकतर कट्टर आतंकवादी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में रह रहे हैं, इनमें संगठन का पूर्व सरगना आयमन अल जवाहिरी भी शामिल है। माना जाता है कि जवाहिरी जिंदा है और बेहद कमजोर है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को जारी की गयी। इसमें कहा गया है कि तालिबान से जुड़े अलकायदा के आतंकवादी और अन्य विदेशी चरमपंथी अफगानिस्तान के विभिन्न हिस्सों में रह रहे है। अलकायदा आतंकवादी आयमन मोहम्मद रबी अल-जवाहिरी के बारे में माना जा रहा कि वह अफगानिस्तान और पाकिस्तान के सीमाई क्षेत्र में कहीं छिपा है। पूर्व में खराब स्वास्थ्य के कारण उसकी मौत की खबरें आयी थीं लेकिन उसकी पुष्टि नहीं हो पायी। रिपोर्ट के मुताबिक जवाहिरी जिंदा है लेकिन इतना कमजोर हो गया है कि उसके बारे में नहीं बताया जाता है। रिपोर्ट में देश का नाम नहीं बताया गया है। अलकायदा के नेतृत्व में मूल रूप से गैर अफगान लोग हैं और इसमें उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशियाई देशों के नागरिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, "सदस्य देशों का आकलन है कि अलकायदा और तालिबान के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वर्तमान में औपचारिक वार्ता नहीं हो रही। वहीं, एक सदस्य देश ने कहा है कि शांति प्रक्रिया को लेकर तालिबान और अलकायदा के बीच लगातार संवाद हो रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा तालिबान की सरपरस्ती में अफगानिस्तान के कंधार, हेलमंद और निमरूज प्रांतों में सक्रिय है। इस समूह में अफगान और पाकिस्तानी नागरिकों के अलावा बांग्लादेश, भारत और म्यांमा के भी आतंकी है। भारतीय उपमहाद्वीप में अलकायदा का वर्तमान नेता ओसामा महमूद है और उसने असीम उमर की जगह ली है।

रेप केस में एक्टर पर्ल वी पुरी को मिली जमानत, 'नागिन 3' फेम करिश्मा तन्ना ने दी जानकारी

टीवी स्टार और "नागिन 3" फेम एक्टर पर्ल वी पुरी को अब जमानत मिल गई है। बता दें कि एक्टर पर एक महिला ने रेप और छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। अभिनेता को कथित तौर पर 4 जून की रात को हिरासत में लिया गया था। हालांकि अब एक्टर को जमानत मिल गई है। पर्ल वी की जमानत की खबर को करिश्मा तन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट से की है।

सत्यमेव जयते! हमेशा सच्चाई की जीत होती है

करिश्मा तन्ना ने पर्ल वी पुरी के साथ अपनी एक फोटो शेयर की हैं। इस पोस्ट में करिश्मा लिखती हैं, "सत्यमेव जयते! हमेशा सच्चाई की जीत होती है और पर्ल जीत गया है...गॉट द बेल पर्ल वी पुरी। इस पोस्ट में इस पोस्ट में करिश्मा ने हैशटैग्स का इस्तेमाल करते हुए आई स्टैंड विथ पर्ल वी पुरी और ट्रुथ नेवर हाइड्स भी लिखा है।

जानिए क्या है मामला

रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने 4 जून को पर्ल पुरी को रेप के मामले में गिरफ्तार किया था। पर्ल के साथ अन्य 5 लोगों भी गिरफ्तार हुए थे। इस बारे में पुलिस ने कहा कि 'यह घटना पुरानी है लेकिन 17 वर्षीय नाबालिग लड़की ने अपनी मां के साथ मलवानी पुलिस थान में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़िता के आरोप के आधार पर इन सभी को गिरफ्तार किया गया।

POCSO एक्ट के तहत हुई थी कार्रवाई

रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता ने कहा था कि उसके साथ कार में रेप किया गया और जिसके बाद ये बार-बार दोहराया गया। सभी आरोपियों पर नाबालिक लड़की से रेप और छेड़छाड़ के चलते POCSO एक्ट के तहत कार्रवाई की गई थी।

टीवी जगत के फेम एक्टर हैं पर्ल वी पुरी

पर्ल वी पुरी टीवी जगत के फेम एक्टर हैं। उन्होंने कई टीवी शोज में काम किया है। 'नागिन 3' 'दिल की नजर से खूबसूरत', 'फिर भी ना माने बदतमीज दिल', 'मेरी सासू मां', 'नागार्जुन एक योद्धा',' बेपनाह प्यार', 'ब्रह्मराक्षस 2' में लीड रोल प्ले किया है। इसके अलावा पर्ल कई रियलिटी शोज देखें जा चुके हैं।

जूही चावला के सपोर्ट में आईं पूजा बेदी-ट्वीट कर पूछा- क्या 5जी केस में पब्लिसिटी स्टंट कहना सही है?

भारत में 5G नेटवर्क पर बैन लगाने के खिलाफ जूही चावला की याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने ख़ारिज कर दिया है। कोर्ट ने इस याचिका को ख़ारिज करने के साथ साथ जूही चावला पर 20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। फैसले में कोर्ट का कहना था ऐसा लगाता है कि जूही चावला ने यह याचिका पब्लिसिटी के लिए दायर की है। अब जूही चावला के सपोर्ट में पूजा बेदी आई हैं। उन्होंने अपने हालिया ट्वीट में अपने फैंस से पूछा कि क्या जूही चावला के 5जी मामले को पब्लिसिटी स्टंट कहना सही है?

पूजा बेदी का यह ट्वीट वायरल

पूजा बेदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'ये देखते हुए कि जूही चावला कई सालों से ईएमएफ और सेलफोन के टॉवर्स से निकलने वाले रेडिएशन के खिलाफ खड़ी हैं, आपको लगता है कि दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा उनकी याचिका खारिज करना सही है। वो भी ये कहते हुए कि ये पब्लिसिटी है।

क्या एक सेलिब्रिटी पब्लिसिटी स्टंट के नाम पर कुछ भी कर सकता है?

5G टेस्टिंग पर जूही चावला का सवाल

जूही चावला ने देश में शुरू हो रही 5G ट्रायल पर रोक लगाने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जूही याचिका ने अपनी याचिका में कहा था कि देश में 5G टेक्नोलॉजी क शुरू करने से पहले इसका अध्ययन कर लेना चाहिए। कई सारी रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 5G रेडिएशन्स से इंसानों, जानवरों और पेड़-पक्षियों पर हानिकारक प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

सलमान खान संग कानूनी लड़ाई के बीच KRK ने अर्जुन कपूर को बताया अपना असली दोस्त, ट्वीट कर बोले-असली मर्द जो किसी से डरता नहीं

फिल्म क्रिटिक्स कमाल राशिद खान (केआरके) ने सलमान खान से पंगा लेने के बाद अब बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर को अपना रियल दोस्त और बॉलीवुड का असली मर्द कहा है। इतना ही नहीं केआरके ने ट्वीट कर ये भी दावा किया है कि बीते दिन अर्जुन कपूर ने उन्हें फोन किया और इन दोनों के बीच लंबी बातचीत हुई।

बता दें कि इससे पहले केआरके ने एक्टर गोविंदा को लेकर भी एक ऐसा ही ट्वीट किया था, जिसके बाद गोविंदा को सफाई देनी पड़ी थी। अर्जुन कपूर से हुई लंबी बातचीत केआरके ने ट्विटर पर लिखा, "आपकी कॉल और लंबी बातचीत करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद अर्जुन भाई। अब मैं समझ गया कि बॉलीवुड में आप ही मेरे असली दोस्त हैं और आप ही असली (रियल) मर्द हैं जो किसी से नहीं डरते। अब मैं कभी भी आपकी फिल्म की आलोचना नहीं करूंगा।"

अब केआरके और अर्जुन के बीच क्या बातचीत हुई? और केआरके के इस दावे में कितनी सच्चाई है, ये बात अब अर्जुन ही बता सकते हैं। हालांकि इस बारें में अर्जुन की तरफ से कोई बयान नहीं आया है।

केआरके के ट्वीट ने बढ़ाई गोविंदा की परेशानी

अर्जुन से पहले केआरके ने गोविंदो को लेकर ट्वीट किया था। अपने ट्वीट में केआरके ने लिखा, 'गोविंदा भाई, आपके प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया, मैं आपको निराश नहीं करूंगा।' केआरके के इस ट्वीट ने गोविंदा की परेशानी बढ़ा दी थी। यहां तक की कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये कहा जाने लगा कि सलमान खान के खिलाफ कानूनी लड़ाई में केआरके को गोविंदा का साथ मिला है।

गोविंदा को देना पड़ी सफाई

सोशल मीडिया उड़ी इन अफवाहों पर गोविंदा सामने आए और सभी अटकलों को खारिज किया। एक इंटरव्यू के दौरान गोविंदा ने कहा, 'मैंने केआरके का समर्थन करने के बारे में कुछ मीडिया रिपोर्टें पढ़ीं। मैं कई सालों से कमाल राशिद खान के संपर्क में नहीं हूं।' गोविंदा ने आगे कहा था कि केआरके के साथ मेरी कोई मीटिंग नहीं हुई, ना फोन पर बात हुई, ना ही उनकी तरफ से कोई मैसेज आया। ट्वीट में वह मेरे नाम के किसी और शख्स का जिक्र कर रहे होंगे, क्योंकि ट्वीट में मुझे टैग नहीं किया गया है।

क्यों है सलमान -केआरके बीच विवाद

जैसा कि आपको पता है कि कमाल आर खान अपने यूट्यूब चैनल पर बॉलीवुड फिल्मों का रिव्यू करते हैं। हाल ही में सलमान खान की फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' रिलीज हुई तो केआरके ने उस पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। केआरके ने फिल्म राधे का अपना नेगेटिव रिव्यू शेयर किया था। इसके बाद 26 मई को केआरके ने दावा किया था कि सलमान ने इसके लिए उन पर मानहानि का मुकदमा किया था।

सलमान खान के वकील ने बताया सच

केआरके दावे के बाद सलमान खान के वकील ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि यह मुकदमा राधे की उनकी समीक्षा की प्रतिक्रिया में नहीं था, बल्कि भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों पर था जो उन्होंने सलमान के खिलाफ लगाए थे। हालांकि शुरू-शुरू में सभी को यही लगा की फिल्म की समीक्षा को लेकर सलमान खान ने केआरके को नोटिस भेजा है। इसके बाद केआरके ने सलमान और उनके परिवार को लेकर कई ट्वीट किये। इतना ही नहीं इस विवाद पर सिंगर मिका सिंह ने भी केआरके को लेकर बहुत बुरा भला कहा था और सलमान खान को इसके खिलाफ कठोर एक्शन लेने की अपील भी किया था।

कौन हैं आदित्य धर? जिनके साथ यामी गौतम ने लिए साथ फेरे

यामी गौतम ने अचानक शादी की खबर देकर सभी को चौंका दिया। उन्होंने निर्देशक आदित्य धर संग सात फेरे लिए। सोशल मीडिया पर उन्होंने शादी की तस्वीर शेयर कर इसकी जानकारी दी। यामी ने अपनी और आदित्य की खूबसूरत फोटो शेयर करने के साथ ही एक प्यारा कैप्शन भी लिखा है। रूमी की पंक्तियों को शेयर करते हुए यामी ने लिखा- 'तुम्हारी रोशनी के साथ, मैंने प्यार करना सीखा।' इसके आगे यामी लिखती हैं- 'हमारे परिवार के आशीर्वाद के साथ, हम आज चुनिंदा लोगों के बीच शादी के बंधन में बंध गए। जैसे ही हम प्यार और दोस्ती की यात्रा शुरू करते हैं तो हम आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं चाहते हैं। लव, यामी और आदित्य।' तस्वीर सामने आने के बाद यामी के फैंस यह जानने के लिए उत्सुक हो गए कि आखिर आदित्य धर कौन हैं।

कौन हैं आदित्य?

आदित्य का जन्म 12 मार्च 1983 को दिल्ली में हुआ। वो एक लेखक, लिरिक्स राइटर और निर्देशक हैं। एक इंटरव्यू में आदित्य ने बताया था कि 2006 में वो मुंबई आए थे और असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर करियर की शुरुआत की।

पहली फिल्म से ही हुए हिट

आदित्य ने बॉलीवुड में फिल्म 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' से डेब्यू किया था। फिल्म में विक्की कौशल और यामी गौतम मुख्य किरदार में थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता के नए रिकॉर्ड कायम किए। आदित्य को अपनी पहली फिल्म के लिए ही सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से नवाजा गया। 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' में यामी गौतम एक रॉ एजेंट की भूमिका में थीं। फिल्मी करियर

आदित्य ने फिल्म 'काबुल एक्सप्रेस', 'हाल-ए-दिल', 'वन टू थ्री' और 'डैडी कूल' के लिए लिरिक्स लिखे। फिल्म 'आक्रोश' और 'तेज' में उनके ही लिखे डायलॉग थे।

उनकी आने वाली फिल्म 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' है। एक बार फिर से वो विक्की कौशल के साथ काम करेंगे। इसके अलावा इस फिल्म में सारा अली खान की भी मुख्य भूमिका है।

जाह्नवी मानती हैं मां की सलाह

मुंबई, अभिनेत्री जाह्नवी कपूर खुद को आत्मनिर्भर मानती हैं। उन्हें ऐसी सीख उनकी मां श्रीदेवी से मिली है। उनकी मां (श्रीदेवी) ने कहा था- 'किसी पर निर्भर मत रहो, खुद की पहचान बनाओ'। जाह्नवी कहती हैं कि इसीलिए वह अपने आस-पास की सशक्त महिलाओं से प्रेरित होती हैं। ऐसी सशक्त महिलाओं में उनकी हमउम्र आलिया भट्ट, सारा अली खान से लेकर उनकी बहन तक शामिल हैं। ऐसी महिलाएं किसी चीज के लिए किसी और पर निर्भर नहीं हैं।

बालिग हुई ग्रेसी

मुंबई, 'क्यों उत्थे दिल छोड़ आए' पेâम एक्ट्रेस ग्रेसी गोस्वामी १८ वर्ष की हो गई हैं। उन्होंने हाल ही में (३१ मई) अपना १८वां जन्मदिन मनाया। बालिग होने के इस खास मौके पर ग्रेसी ने खुद को बेहद खास गिफ्ट दिया है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं और पैâस को बताया है कि उनके घर में एक नया पैâ मिली मेंबर शामिल हुआ है। दरअसल ग्रेसी ने अपने जन्मदिन के मौके पर खुद को एक लक्जरी कार गिफ्ट की है, जिसकी ढेर सारी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर कर अपनी खुशी जाहिर की है। इस लक्जरी कार को खरीदकर ग्रेसी के चेहरे की खुशी तस्वीरों में साफ नजर आ रही है। ग्रेसी कुछ तस्वीरों में कार के अंदर बैठकर पोज देती हुई नजर आ रही हैं तो वहीं कुछ तस्वीरों में वो कार के बाहर पोज दे रही हैं। ग्रेसी ने इन तस्वीरों को शेयर कर वैâप्शन में लिखा है कि 'मेरे परिवार और आप सभी का धन्यवाद जिन्होंने मेरे लिए अपना प्यार बनाए रखा है।'

बेबो ने दिखाया फिल्टर फेस

मुंबई, सोशल मीडिया में सक्रिय रहनेवाली बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर पैâस के लिए हमेशा कुछ न कुछ नया करती रहती हैं। वह कभी अपने परिवार के साथ तो कभी दोस्तों के साथ मस्ती करते हुए फोटोज और वीडियो शेयर करती रहती हैं। करीना ने कल इंस्टाग्राम पर कई फिल्टर का इस्तेमाल करके अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका अलग-अलग मूड देखने को मिलता है। बेबो के उर्फ नाम से मशहूर करीना ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- मूडी ट्यूसडे। वीडियो में एक फिल्टर में करीना की आंखों का कलर बदला हुआ नजर आ रहा है, वहीं दूसरे में उन्होंने फिल्टर सेपिया टोन का इस्तेमाल किया है और एक में फोटो का कलर बदल जाता है। बैकग्राउंड में गाना चल रहा है। करीना के इस पोस्ट पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने कमेंट किया है। जैकलीन फर्नांडिस ने हार्ट इमोजी पोस्ट की, वहीं बेबो के पैâस उन्हें क्वीन कह रहे हैं। करीना के इस पोस्ट को कुछ ही घंटों में लाखों लोग लाइक कर चुके हैं।

तापसी भी तैयार है

मुंबई, २०२१ का जून महीना शुरू हो चुका है और अभिनेत्री तापसी पन्नू इस महीने कुछ बड़ा करने के मूड में है। गौरतलब है कि तापसी की कई फिल्में आनेवाली हैं। वह भारतीय महिला वनडे क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज के जीवन पर आधारित फिल्म शाबाश मिठू में नजर आएंगी। उनके पास फिल्म 'हसीन दिलरुबा' भी है और वह 'रश्मि रॉकेट' और 'लूप लापेटा' आदि फिल्मों में भी नजर आएंगी। इससे पहले तापसी ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर अपनी बहन शगुन पन्नू के साथ एक तस्वीर साझा की। तस्वीर में दोनों को मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। शगुन को अपना सपोर्ट सिस्टम बताते हुए तापसी ने लिखा कि वह किस तरह से जून के महीने की शुरुआत बड़े स्तर पर करना चाहती हैं। तापसी की बहन ने उनकी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ऑलमोस्ट।

मनोज को प्रियंका पसंद हैं!

मुंबई, बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर कर चुकीं पूर्व विश्व सुंदरी प्रियंका चोपड़ा की एक्टिंग को हिंदुस्थान में लोग आज भी बेहद पसंद करते हैं। बॉलीवुड की सबसे वर्सेटाइल अभिनेत्री मानी जानेवाली प्रियंका चोपड़ा ने अपने सालों लंबे करियर में कई यादगार भूमिकाएं निभाई हैं। ग्लैमरस लड़की से लेकर वैâ रेक्टर किरदार तक निभा चुकीं पीसी ने अपनी अदाकारी से पैâस को दीवाना बनाया ही है। राइटर मनोज मुंतशिर भी उनसे बेहद प्रभावित हैं इसलिए रानी अहिल्याबाई होल्कर पर एक फिल्म का निर्माण करने जा रहे मनोज अपनी फिल्म में देसी गर्ल को कास्ट करना चाहते हैं। मनोज मुंतशिर ने बताया है कि रानी अहिल्याबाई के किरदार के लिए जो आग, पैशन और आत्मविश्वास चाहिए वो प्रियंका में ही है। हालांकि इस फिल्म को लेकर अभी तक मनोज मुंतशिर ने प्रियंका चोपड़ा से चर्चा नहीं की है।

विद्या की शेरनी

मुंबई, कोरोना महामारी के बीच सिनेमाघरों में भले ही ताले लगे हों लेकिन ओटीटी प्लेटफॉम्र्स दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करने की कोशिश कर रहे हैं। ज्यादातर फिल्म मेकर्स अपनी फिल्मों और शोज को रिलीज करने के लिए ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ रहे हैं। जून महीने में कई शानदार और बहुप्रतीक्षित बेवसीरीज आने वाली है और इन्हीं में से एक है बॉलीवुड अदाकारा विद्या बालन की शेरनी। शेरनी में विद्या बालन एक बार फिर दर्शकों को अपने काम से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। फिल्म में विद्या ने एक फॉरेस्ट ऑफिसर का रोल निभाया है, जोकि उनके करियर का काफी खास रोल होने जा रहा है। यह फिल्म जून महीने में ही अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। हालांकि अभी इसकी प्रीमियर डेट सामने नहीं आई है। ऐसा माना जा रहा है कि २ जून यानी आज ट्रेलर रिलीज होने के साथ ही प्रीमियर डेट भी घोषित हो सकती है।

यूएनएआई- पर्यावरण के प्रति जागरूक योगदान

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

संयुक्तराष्ट्रअकादमिकप्रभाव (यूएनएआई) एक पहल है जो संयुक्त राष्ट्र के साथ उच्चशिक्षासंस्थानों को संयुक्त राष्ट्र के लक्ष्यों और जनादेशों की प्राप्ति में सहयोग और योगदान देता है, जिसमें मानवअधिकारों के प्रचार और संरक्षण, शिक्षा तक पहुंच, स्थिरता और संघर्ष समाधान। 2010 से, UNAI ने छात्रों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, थिंकटैंक, उच्च शिक्षा संस्थानों, सततशिक्षा और शैक्षिक संघों का एक जीवंत और विविध नेटवर्क बनाया है।

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए इन संस्थानों का काम महत्वपूर्ण है क्योंकि वे हमारे सामने आने वाली कई वैश्विक चुनौतियों के लिए नए विचारों, आविष्कारों और समाधानों के इनक्यूबेटर के रूप में कार्य करते हैं।

UNAI दस सिद्धांतों के आस पास बनाया गया है, और दुनिया भर में दस संस्थान हैं जो दस सिद्धांतों में से प्रत्येक पर UNAI केवैश्विक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।(TSAP) ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, पर्यावरण के प्रति जागरूक डिजाइन के माध्यम से यू एन ए आई की अवधारणा का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

TSAP वैश्विक केंद्र के रूप में कार्य करता है। TSAP वैश्विक केंद्र, एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करना है जहां मूल संस्थान और अन्ययूएनएआई सदस्य संस्थानों के छात्र और शिक्षक विचारों को साझा करने और कार्य योजनाओं परचर्चा करने के लिए एक साथ आते हैं जिसका उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूक डिजाइन करना है। यह शिक्षा के माध्यम पर्यावरण को संबोधित करने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को सक्षम कर रहा है। आर्किटेक्ट्स और योजनाकारों के रूप में किसी भी विकास के भौतिक परिणामों को महसूस किया जा सकता है और प्रक्रिया स्वयंसमुदायों और संरक्षकों को एक साथ लाने के लिए उत्प्रेरक बन जाती है।

TSAP का लक्ष्य दुनिया भर में उच्चशिक्षा में शिक्षकों को एक साथ लाना है ताकि उन देशों के बीच साझा की जाने वाली रणनीतियों के एक सामान्य मूल की पहचान की जा सके जो पर्यावरण से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को कम करने में मदद करेगी। इस के उद्देश्य हैं; पर्यावरण से संबंधित लोगों और समुदायों के साथ काम करना और उन्हें नवीन दृष्टिकोणों के माध्यम से इस का समाधान करने में सक्षम बनाना। अधिक जानकारी के लिए आप संस्थान की वेबसाइट tsap.mumbai.in पर जा सकते हैं।

हिंदी फिल्म "जिंदगी एक जंग" की शूटिंग प्रयागराज में करेंगे निर्देशक कृष्णा चौहान

अनलॉक होने के बाद सबसे पहले डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का करेंगे आयोजन

लॉक डाउन खुलने के बाद सबसे पहले डॉ कृष्णा चौहान लीजेंड दादा साहेब फाल्के अवार्ड 2021 का आयोजन करेंगे। जुलाई 2021 में मिस एन्ड मिसेज इंडिया 2021 का आयोजन मुम्बई के फाइव स्टार होटल में करेंगे। अवार्ड फंक्शन के बाद डॉ कृष्णा चौहान अपनी 2 हिंदी फिल्मों की शूटिंग यूपी में करेंगे। गौरतलब है कि कृष्णा चौहान यूपी के गोरखपुर के रहने वाले हैं जो मुम्बई फ़िल्म इंडस्ट्री में 18 वर्षो से काम कर रहे हैं। साथ ही वो अवॉर्ड फंक्शन करवाते रहते हैं और उनकी एनजीओ कृष्णा चौहान फाउंडेशन है। कृष्णा चौहान फाउंडेशन द्वारा लॉक डाउन के दौरान अपने स्तर से ज़रूरतमंदों को राशन किट वितरित किए गए। यह फाउंडेशन जानवरों को खाना खिलाने में भी आगे आगे है। 4 मई को अपने बर्थडे के अवसर पर डॉ कृष्णा चौहान ने ज़रूरतमंद लोगों और अपनी बिल्डिंग के लोगों को राशन किट व भगवदगीता दिया। भविष्य में भी वो अवार्ड समारोह करते रहेंगे और राशन वितरण का काम भी करते रहेंगे। वो "कर भला तो हो भला, सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास" पर यकीन रखते हैं।रैना फिल्म्स के बैनर तले बनने जा रही 3 फिल्मो की शूटिंग लॉक डाउन खुलने के बाद प्रयागराज, उत्तरप्रदेश के आस पास के जिलों मे होंगी. हिंदी फ़िल्म "ज़िन्दगी एक जंग " का निर्देशन K.C.F. फाउंडेशन के फाउंडर, निर्देशक कृष्णा चौहान कर रहे है। आपको बताते चले कि कृष्णा चौहान 18 सालो से इस इंडस्ट्री मे निर्देशक के तौर पर काम कर रहे हैं और सामाजिक कार्यकर्त्ता व अवार्ड्स आयोजक के रूप मे बॉलीवुड मे हमेशा छाए रहते हैं। इनकी कई हिंदी फिल्मे, शार्ट फिल्मे एल्बम रिलीज हो चुके हैं और 2021 मे ही एक बिग बजट हिन्दी फ़िल्म करने जा रहे है। उनका बॉलिवुड मे टॉप निर्देशक, सामाजिक कार्यकर्त्ता के रूप मे बहुत मान सम्मान है। इसलिए एक कुशल व्यक्तित्व, अनुभवी होने के नाते रैना फिल्म्स के निर्माताओं ने इस फ़िल्म की ज़िम्मेदारी कृष्णा चौहान के हाथ मे सौंप दी है। आशा है कि पूरी टीम एक अच्छी फ़िल्म देगी जिससे समाज को एक दिशा मिल सके।

कोरोना का फर्जी इलाज करने वाले अस्पताल पर FIR

मीरा-भाईंदर, मीरा-भाईंदर मनपा ने कोरोना का फर्जी इलाज करने वाले आर्चिड नामक अस्पताल के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। इसके अलावा अपूर्व और स्वस्तिक नामक पैथालॉजी लैब पर भी मामला दर्ज किया गया है। मामला कोरोना का फर्जी 'पॉजिटिव रिपोर्ट' देकर इलाज करने का है। इस मामलें में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक कैलाश बर्वे ने बताया कि पुलिस इस मामलें की जांच कर रही है।

क्या थी 'मोडस ऑपरेंडी'

जब कोई व्यक्ति कोविड की आशंका होने पर इनमें से किसी अस्पताल या लैब में आता, तो उसका फर्जी 'पॉजिटिव रिपोर्ट' बना दिया जाता। इसके बाद उसका इलाज किया जाता और एक अच्छी रकम को वसूल कर भेज दिया जाता। इस पूरे मामले में अस्पताल और लैब की मिलीभगत होती। आखिर कैसे पकड़ में आया मामला

मई के अंत में जब कोरोना की रफ्तार घटने लगा और 'पॉजिटिविटी रेट' भी गिरने लगा, तब भी ऑर्चिड अस्पताल में 'पॉजिटिविटी रेट' कम नहीं हो रहा रहा। मनपा प्रशासन को शक होने पर वैधकीय विभाग ने अचानक अस्पताल पर रेड किया। रेड के दौरान वैधकीय विभाग ऐसे मरीज मिले, जिनका कोरोना का इलाज चल रहा था, जबकि आरटी-पीसीआर टेस्ट में वे निगेटिव आए।

अभी और भी अस्पताल है राडार पर कई अन्य अस्पताल और लैब के बारे में इस तरह की शिकायतें मनपा प्रशासन को मिल चुकी हैं। हालांकि, अब तक उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। मनपा आयुक्त दिलीप ढोले ने कहा कि अभी और भी अस्पताल रडार पर हैं और जल्द ही उन पर भी उचित कार्रवाई की जाएगी।

....तो शिवसेना नेता के इशारे पर वैक्सीनेशन के लिए बने थे फर्जी आई कार्ड?

ठाणे, ठाणे मनपा संचालित पार्किंग प्लाजा कोविड सेंटर में फर्जी पहचान पत्र के आधार पर टीकाकरण का गोरखधंधा चलने की बात सामने आई है। जिसके बाद राजीनीतिक माहौल गरमा गया है। भाजपा और मनसे दोनों मनपा प्रशासन तथा सत्तासीन शिवसेना पर हमलावर हुए हैं। दोनों का आरोप है कि गड़बड़ी करने वाले ठेकेदार को बचाने में लोग लगे हैं। ठेकेदार ओमसाई आरोग्य केयर प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई और पुलिस में मामला दर्ज करने की मांग ने जोर पकड़ा है।

मनसे के ठाणे-पालघर जिला अध्यक्ष अविनाश जाधव ने फर्जी पहचान पत्र के पीछे शिवसेना के मुंबई के एक बड़े नेता का हाथ होने का आरोप लगाया है। जाधव का दावा है कि अस्पताल के ठेकेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी और मामले में लीपापोती कर दी जाएगी।

भाजपा विधायक ठाणे शहर अध्यक्ष निरंजन डावखरे ने बताया है कि जांच समिति ने ठेकेदार को बुलाया था, लेकिन वह हाजिर नहीं हुआ और ऐसा कर उसने मनपा प्रशासन और जांच समिति का अपमान किया है। डावखरे ने मनपा आयुक्त डॉक्टर बिपिन शर्मा को पत्र देकर ठेकेदार कंपनी के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। डावखरे के अनुसार ग्लोबल अस्पताल में लाखों रुपये लेकर मरीजों को आईसीयू बेड उपलब्ध कराने, शवों की अदलाबदली, वेंटिलेटर में घपला, नर्सों को कई माह का वेतन न देने, मरीजों के परिजन को उचित जानकारी न देने, मरीजों को ठीक दर्जे का भोजन न देने इत्यदि आरोप ठेकेदार पर लगे हैं।

जाधव ने भी आरोप लगाया है कि जो 21 फर्जी पहचान पत्र बरामद हुए हैं, उसमें मुंबई के हीरा व्यापारी सहित दूसरे व्यापारी और उनके परिवार के सदस्यों का नाम है। इसलिए ठेकेदार के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज होना चाहिए। फर्जी पहचान पत्र मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया था। समिति ने रिपोर्ट आयुक्त को दी है। आयुक्त ने उसे कानूनी सलाह के लिए भेजा है।

'एक लाख लेकर मरीज को दिया गया था बेड'

ठाणे मनपा के अस्पताल में एक लाख रुपये लेकर मरीज को बेड देने का एक और मामला सामने आया है। मुंबई के दादर निवासी मरीज के परिजन ने मामले की शिकायत ठाणे की कापुरबावडी पुलिस से की है। मनपा संचालित ग्लोबल कोविड सेंटर में डेढ़ -डेढ़ लाख रुपये लेकर दो मरीज को भर्ती करने का मामला इससे पहले उजगार हुआ था। दादर के नायगांव में रहने वाली श्रद्धा सावंत ने पुलिस को बताया है कि मुंबई मनपा से सेवानिवृत उसके पिता अजित सावंत के कोरोना पॉजिटिव होने के चलते 18 अप्रैल को मुंबई के एक अस्पताल में ले उन्हें जाया गया था, लेकिन वहां बेड नहीं मिला था।

अमरावती में अंधविश्वास का शिकार हुआ बच्चा

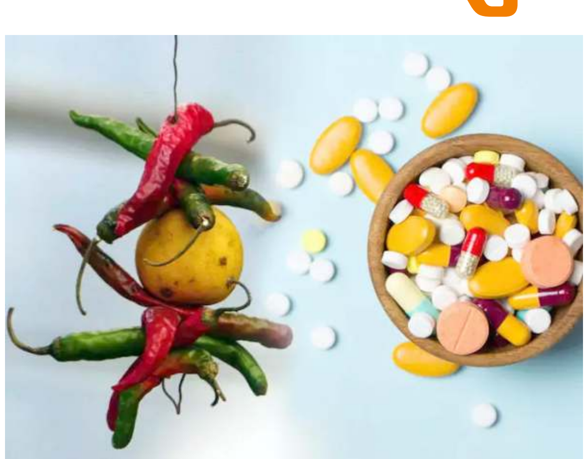

अमरावती, महाराष्ट्र में आज भी शिक्षा के अभाव में आदिवासी समाज के लोग डॉक्टरों से इलाज करवाने की जगह तांत्रिक और नीम हकीम के पास इलाज करवाते हुए नजर आते हैं। जिसका खामियाजा अंत में मरीज को ही उठाना पड़ता है। ऐसा ही मामला महाराष्ट्र के अमरावती जिले के मेलघाट इलाके में सामने आया है।

यहां आदिवासी समाज के एक 3 साल के बच्चे को बीमारी से ठीक करने के लिए तांत्रिक ने पेट पर गर्म लोहे की रॉड छुआ दी। ऐसा तांत्रिक ने एक दो बार नहीं बल्कि कई बार किया। इस वजह से मासूम बच्चे की हालत और बिगड़ गई है। साथ ही उसके पेट में गहरा जख्म भी हो गया है।

बच्चे की हालत नाजुक

चिलखदरा तहसील के खटकाली इलाके के पास राजरत्न जामुनकर नाम का एक तीन साल का बच्चा बीमार था। बच्चे के माँ-बाप परतवाड़ा इलाके में काम काम के चक्कर मे रहते हैं। उन्होंने बच्चे का धामनगांव इलाके में एक प्राइवेट डॉक्टर से इलाज करवाया लेकिन कुछ फायदा नहीं हुआ। ऐसे में मां-बाप बच्चे को इलाज के लिए एक तांत्रिक के पास ले गए। जहां तांत्रिक ने इलाज के नाम पर बच्चे को गर्म सलाखों से दागा। इस वजह से बच्चे के पेट में गहरा जख्म हो गया है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

मंत्री यशोमति ठाकुर ने किया दौरा

घटना की जानकारी मिलने पर राज्य की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री यशोमति ठाकुर ने अस्पताल जाकर बच्चे की हालत का जायजा लिया और उसके परिजनों से बातचीत कर हौसला बढ़ाया।

सहारनपुर में BJP को हराने के लिए फिर एकसाथ आए सपा-कांग्रेस, बनाया तीसरा मोर्चा

सहारनपुर, ज़िला पंचायत अध्यक्ष पद को लेकर सहारनपुर में सियासी सरगर्मियां बढ़ गई हैं। सत्ताधारी बीजेपी ने इस बढ़िया प्रदर्शन करते हुए ज़िला पंचायत की करीब 14 सीटों पर जीत हासिल की है लेकिन अध्यक्ष पद पाने के बीजेपी को अभी 11 और सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता है। चन्द्रशेखर की आसपा के कारण इस बार बसपा पिछले बार की तुलना में कम सीटे जीत पायी है। बसपा के 16 सदस्य है। ऐसे में सपा-कांग्रेस और भाकियू ने तीसरा मोर्चा बना कर बीजेपी व बसपा की टेंशन बढ़ा दी है। कहा जा रहा है कि बीजेपी का जिला पंचायत चेयरमैन बनने से रोकने के लिए सपा और कांग्रेस के नेता एक हो गए हैं। उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए ताल ठोकते हुए दावा किया कि उनके पास पर्याप्त संख्या है। वहीं बसपा भी जिला पंचायत चेयरमैन पद पाने का प्रयास कर रही है। बीजेपी में भी अध्यक्ष पद का प्रत्याशी बनाने को लेकर मंथन चल रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष पद हासिल करने के लिए विपक्षी दलों की सरगर्मियां बढ़ गई है। कांग्रेस, सपा और भारतीय किसान यूनियन ने जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज करने के लिए तीसरे मोर्चे के गठन किया है। इस संबंध में बैठक कर उन्होंने नवनिर्वाचित 16 जिला पंचायत सदस्यों के भी शामिल होने का दावा किया है।

100 % Wheat
100 % Wheat
KAANT FOODS
KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor
Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.
20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રી૧ ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥
Chintan Jiyani 99040 77991
Kishan Kyada 99040 77990
JKC
Jay Kuber CONSULTANCY
- PERSONAL LOAN
- CONSUMER LOAN
- HOME LOAN
- MORTGAGE LOAN
- CAR LOAN
- MUDRA LOAN
- INSURANCE
- PANCARD
jaykuber1997@gmail.com
D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

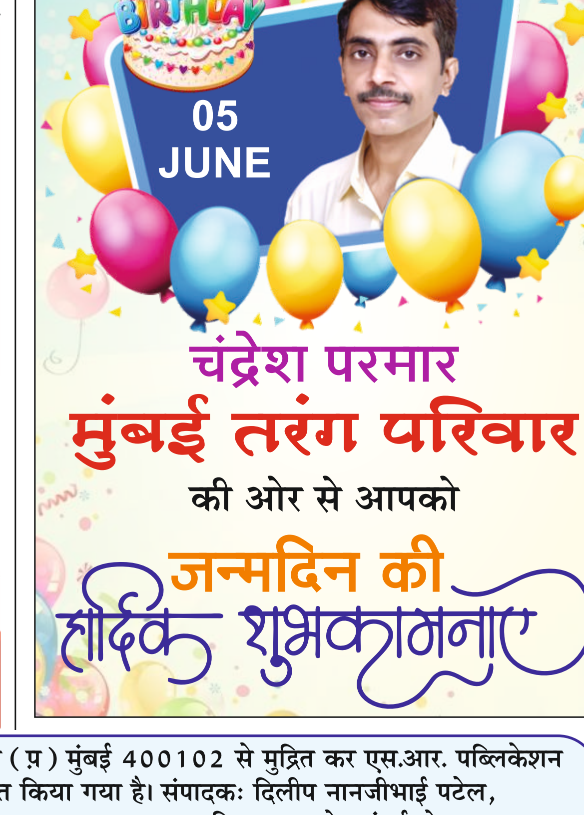

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाइटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।